दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

असली आज़ादी

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik | aslizadidainikofficial

■ वर्षः 21, अंकः 322 ■ दमण, शनिवार 12, सितंबर 2026 ■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन की गरिमामयी उपस्थिति में सिलवासा में हुआ भव्य सार्वजनिक समारोह

उपराष्ट्रपति ने दादरा नगर हवेली और दमण-दीव को मिनी इंडिया बताया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रशासक प्रफुल पटेल के नेतृत्व में हुए विकास की सराहना की

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने गुजरात के तीन मशहूर नेताओं, महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के योगदान का किया जिक्रः महात्मा गांधी अहिंसा-आजादी की लडाई, सरदार पटेल भारत की एकता-अखंडता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकास को दिखाते हैं

■ केंद्र शासित प्रदेश में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, पर्यटन और कनेक्टिविटी से बदलाव आ रहा हैः उपराष्ट्रपति ■ दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में हो रहा बदलाव विकसित भारत 2047 के विजन में योगदान दे रहा हैः उपराष्ट्रपति ■ हेल्थकेयर, शिक्षा, पर्यटन और कनेक्टिविटी केंद्र शासित प्रदेश में बदलाव ला रहे हैंः उपराष्ट्रपति ■ प्रशासक प्रफुल पटेल ने संघ प्रदेश में तेजी से विकसित किए गए आधुनिक बुनियादी ढांचे और जन सुविधाओं को उपराष्ट्रपति जी के समक्ष प्रस्तुत किया ■ उपराष्ट्रपति ने नमो मेडिकल हॉस्पिटल एवं नमो मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण कर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा से संबंधित सुविधाओं, प्रयोगशालाओं एवं प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का लिया जायजा, चिकित्सकों, प्रशासन एवं विद्यार्थियों से किया संवाद ■ उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने झंडा चौक स्थित स्वामी विवेकानंद विद्यामंदिर स्कूल का किया दौरा, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से संवाद कर संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 11 सितंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन द्वारा डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम कॉलेज ऑडिटोरियम, डोकमरडी में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन की गरिमामयी उपस्थिति में भव्य सार्वजनिक समारोह आयोजित किया गया। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने आज केंद्र शासित प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के अपने पहले दौरे के दौरान सिलवासा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम गवर्नमेंट कॉलेज में एक सार्वजनिक समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव तथा लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल पटेल, दादरा नगर हवेली की सांसद कला डेलकर, तीनों जिला पंचायतों एवं तीनों नगरपालिका के अध्यक्षों एवं उपाध्यक्षों, उद्योग एवं होटल संघों के प्रतिनिधि, विभिन्न महाविद्यालयों के प्रतिभाशाली विद्यार्थी तथा तमिल संगम के प्रतिनिधि सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों द्वारा उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन का स्वागत किया गया। इस अवसर पर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ प्रदान किए गए। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत 5 लाभार्थियों को टूलकिट तथा 5 शिक्षकों को नियुक्ति प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने समावेशी विकास, सुशासन एवं राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह केंद्र शासित प्रदेश इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि कैसे इनोवेटिव गवर्नेंस और लोगों की भागीदारी से बदलाव लाने वाला विकास हो सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक में हुई तरक्की और लोगों की सक्रिय भागीदारी के साथ प्रशासक प्रफुल पटेल की लगातार कोशिशों की तारीफ की। सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि पिछले दशक में केंद्र शासित प्रदेश में 13,000 करोड़ रूपये से ज्यादा के 450 से ज्यादा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं, जिनमें 4,000 करोड़ रूपये से ज्यादा की लागत से लगभग 800 किमी. सड़कें शामिल हैं। हेल्थकेयर में बदलाव के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में जहां 2019 से पहले कोई मेडिकल कॉलेज नहीं था, अब 177 सीटों वाला एक मेडिकल कॉलेज है, इसके अलावा सिलवासा में 450 बेड का नमो हॉस्पिटल और दमण में हाल ही में शुरू हुआ 350 बेड का नमो हॉस्पिटल भी है। पिछले तीन सालों में टीबी के मामलों में 57% और कुपोषण में 58% की कमी आई है। केंद्र शासित प्रदेश ने हेल्थ और वेलनेस सेंटर और इंस्टीट्यूशनल डिलीवरी में 100 परसेंट सैचुरेशन भी हासिल किया है। साथ ही आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत पूरा रजिस्ट्रेशन भी किया है। शिक्षा पर उपराष्ट्रपति ने 700 करोड़ रूपये से ज्यादा के निवेश से 21 नए स्कूलों के निर्माण पर जोर दिया, जबकि 16 और बन रहे हैं। इसके अलावा सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम भी हैं। उन्होंने निफ्ट, गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी और दूसरे प्रोफेशनल इंस्टीट्यूशन के इंस्टीट्यूशन और कैंपस की स्थापना का भी जिक्र किया, जिससे केंद्र शासित प्रदेश में युवाओं के लिए मौके बढ़ रहे हैं। टूरिज्म की बढ़ती अहमियत पर जोर देते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि 2021 में टूरिस्ट की संख्या लगभग 6 लाख से बढ़कर 2025 में लगभग 50 लाख हो गई है। उन्होंने कहा कि दमण नाइट मार्केट, राम-सेतु सीफ्रंट, ठीक की गई हेरिटेज साइट्स, बीच, वॉटर स्पोर्ट्स और इको-टूरिज्म प्रोजेक्ट्स जैसे इनिशिएटिव इस इलाके की रिच हेरिटेज और नेचुरल ब्यूटी को दिखाते हुए नए मौके पैदा कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने केंद्र शासित प्रदेश की इंडस्ट्रियल ताकत पर भी जोर दिया, जिसमें 7,500 से ज्यादा मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स और एमएसएमई सेक्टर के जरिए 2.8 लाख से ज्यादा रोजगार के मौके हैं। दमण में नमो एयरपोर्ट के उद्घाटन से दिल्ली, मुंबई और अहमदाबाद के साथ एयर कनेक्टिविटी और मजबूत हुई है। उन्होंने लगभग 12 एमवी इंस्टॉल्ड कैपेसिटी के साथ सरकारी बिल्डिंग्स का 100% सोलराइजेशन हासिल करने के लिए भी केंद्र शासित प्रदेश की तारीफ की। गुजरात के तीन मशहूर नेताओं, महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योगदान का जिक्र करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि गांधी अहिंसा और आज़ादी की लड़ाई को दिखाते हैं, सरदार पटेल भारत की एकता और अखंडता को दिखाते हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकास को दिखाते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश की सामाजिक विविधता, सांस्कृतिक विरासत और मेलजोल की भावना इसे मिनी इंडिया बनाती है। उन्होंने कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों के लोग इस इलाके के विकास में योगदान दे रहे हैं और मिलजुलकर रह रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रदेश के लोग अपनी उद्यमशीलता, दृढ़ता और आशावाद के माध्यम से इस संघ प्रदेश को प्रगति के एक नए युग की ओर ले जा रहें है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रदेश के लिए यह बड़े गर्व की बात है कि प्राईवेट स्कूलों को छोड़कर यहाँ के विद्यार्थी सरकारी स्कूलों में प्रवेश ले रहे हैं। इससे पहले समारोह को संबोधित करते हुए प्रशासक प्रफुल पटेल ने संघ प्रदेश में विकास, सुशासन, जनकल्याण एवं जनभागीदारी को प्राथमिकता देते हुए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों पर प्रकाश डाला और उन्होंने संघ प्रदेश में तेजी से विकसित किए गए आधुनिक बुनियादी ढांचे और जन सुविधाओं को उपराष्ट्रपति जी के समक्ष प्रस्तुत किया। समारोह के दौरान संघ प्रदेश की विकास यात्रा पर आधारित वॉकथ्रू वीडियो प्रदर्शित किया गया, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना, उद्योग, पर्यटन, रोजगार, शहरी विकास एवं सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों और उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया। उपराष्ट्रपति का यह दौरा प्रशासन द्वारा किए गए विकास कार्यों का प्रत्यक्ष अवलोकन कराने के साथ-साथ इस प्रदेश की बदलती तस्वीर और विकास की दिशा को राष्ट्रीय पटल पर सामने रखने का अवसर भी बना। समारोह का समापन राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसके पश्चात उन्होंने नमो मेडिकल हॉस्पिटल एवं नमो मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण कर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा से संबंधित सुविधाओं, प्रयोगशालाओं एवं प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा चिकित्सकों, प्रशासन एवं विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने झंडा चौक स्थित स्वामी विवेकानंद विद्यामंदिर स्कूल का दौरा कर विद्यालय परिसर एवं शैक्षणिक सुविधाओं का निरीक्षण किया और इस दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से संवाद कर संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी भी साझा की गई तथा विद्यार्थियों को पुस्तकें एवं चॉकलेट वितरित की। यह समारोह संघ प्रदेश में विकास के साथ विश्वास और जनभागीदारी की भावना को सशक्त करने तथा प्रशासन एवं नागरिकों के बीच सहभागिता एवं सहयोग को बढ़ावा देने वाला महत्वपूर्ण अवसर रहा।

प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान रूस के राष्ट्रपति से मुलाकात की

पीआईबी दिल्ली, 11 सितंबर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के अवसर पर रूस के राष्ट्रपति श्री व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। इस साल यह उनकी दूसरी बैठक थी। दोनों नेताओं ने इससे पहले 31 अगस्त, 2026 को बिश्केक में 26वें एससीओ शिखर सम्मेलन के मौके पर मुलाकात की थी। दोनों नेताओं ने राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, कौशल और जन-जन के बीच संबंधों को लेकर द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने रूस की अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक प्रदर्शनी ऱइनोप्रोम इंडियाऱ का स्वागत किया, जो भारत में पहली बार 9-11 सितंबर 2026 तक आयोजित की गई और व्यापार और औद्योगिक संबंधों को और विस्तारित करने में इसके महत्व पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने इनोप्रोम इंडिया प्रदर्शनी का भी दौरा किया और प्रतिभागियों के साथ बातचीत की। दोनों नेताओं ने 2026 के लिए भारत की अध्यक्षता में बहुपक्षीय क्षेत्र, विशेष रूप से ब्रिक्स में भारत-रूस जुड़ाव पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने पश्चिम एशिया और काला सागर क्षेत्र में संघर्षों सहित आपसी हित के प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी दृष्टिकोण साझा किए, जिसने समुद्री व्यापार और भारतीय नाविकों की सुरक्षा को प्रभावित किया है। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर दोहराया कि बातचीत और कूटनीति ही संघर्षों को हल करने में आगे बढ़ने का रास्ता है और भारत शांति प्रयासों में सहायता के लिए तैयार है। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के प्रयास में लगे रहने पर सहमति व्यक्त की, जो भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं की पृष्ठभूमि में महत्वपूर्ण विकास दर्ज कर रही है और अनुकूलन दिखाया है। राष्ट्रपति श्री पुतिन ने प्रधानमंत्री को 24वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूस आने का निमंत्रण दिया। प्रधानमंत्री ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया। शिखर सम्मेलन की तारीखें आपसी सुविधा के अनुसार राजनयिक चैनलों के माध्यम से तय की जाएंगी।

सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादी को किया गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने कई प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि इन तीनों उग्रवादियों को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया था। तेंगनौपाल जिले के खारो खुल्लेन में एक तलाशी अभियान के दौरान यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान थौबल जिले के हेइरोक निवासी एन सुरेश सिंह (26) के रूप में हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक असम राइफल्स की सूचना के आधार पर इंफाल पूर्वी जिले के खाबेसोई से पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक सक्रिय सदस्य को पकड़ा गया। उसकी पहचान एम सनथोई मेइतेई के रूप में हुई है और वह संगठन के नए सदस्यों की भर्ती करने में शामिल था। इसके अलावा, बिष्णुपुर जिले के कुंबी थाना क्षेत्र के इथाई कुंबी से कांगलेई यावोल कन्ना लुप (केवाईकेएल) के 43 साल के उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया है। उसकी पहचान की नाम जानकारी नहीं मिल सकी।

निर्माणाधीन चर्च की छत गिरने से तीन मजदूरों की मौत, 11 घायल

वेल्लोर (एजेंसी)। तमिलनाडु के वेल्लोर जिले में निर्माणाधीन चर्च की छत गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई और 11 घायल हुए। एक अधिकारी ने बताया कि 11 घायल मजदूरों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कटपाडी के निकट मंडी कृष्णापुरम में 'चर्च ऑफ साउथ इंडिया' के निर्माणाधीन भवन की छत का हिस्सा गुरुवार को उस समय ढह गया, जब मजदूर छत पर कंक्रीट डालने का काम कर रहे थे। अधिकारी ने तीन मजदूरों की मौत की पुष्टि की है। एनडीआरएफ की अरक्कोणम टीम ने जिला प्रशासन, पुलिस और दमकल कर्मियों के साथ मिलकर निर्माण स्थल पर फंसे मजदूरों को बचाने का अभियान चलाया। वेल्लोर की जिलाधिकारी पी एस लीला एलेक्स ने कहा कि कम से कम आठ मजदूरों की हालत स्थिर है।

पंजाब के स्कूलों की कमियां दिखाने पर केजरीवाल ने सीजेपी को सराहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के सरकारी स्कूलों में छात्रों को आ रही समस्याओं को सामने लाने के लिए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का धन्यवाद किया है। उन्होंने इन मुद्दों को उठाने के लिए सीजेपी की सराहना कर आश्वासन दिया कि पार्टी राज्य सरकार के साथ मिलकर इन चिंताओं का तुरंत समाधान करने की दिशा में कदम उठाएगी। सीजेपी के सौरव दास के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब का दौरा किया, जहाँ उन्होंने अपने स्कूल ठीक करो अभियान के तहत सरकारी स्कूलों की स्थिति का जायजा लिया। दौरे के बाद दास ने बताया कि लुधियाना में स्कूल ऑफ एमिनेंस का रखरखाव अच्छा था, लेकिन कुछ समस्याएं भी देखी गईं। इन समस्याओं से शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस को अवगत कराया गया, जिन्होंने तुरंत मिलने और जल्द कार्रवाई का भरोसा दिया। दास ने स्कूल ऑफ एमिनेंस में स्विमिंग पूल, रैंप, एआई लैब और कंप्यूटर लैब जैसी सुविधाओं की तारीफ की, और कहा कि कई मामलों में ये निजी स्कूलों से भी बेहतर हैं। पंजाब में लगभग 19,000 सरकारी स्कूलों में से, सरकार ने 118 स्कूल ऑफ एमिनेंस बनाने की घोषणा की है, जिसमें से कुछ ही का उद्घाटन हो पाया है। हालांकि, सीजेपी की टीम ने 1936 में बने सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जंडियाली का भी दौरा किया, जहाँ मरम्मत के बावजूद पुराना ढांचा अभी भी बना हुआ है। दास ने उम्मीद जाहिर की कि इन बच्चों को भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और पंजाब सरकार इस पर ध्यान देगी।

पीएम मोदी के नेतृत्व में ब्रिक्स में भारत की धमक : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 सालों में भारत ब्रिक्स समूह का अहम और प्रभावशाली सदस्य बनकर उभरा है। राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने बदलते वैश्विक परिदृश्य में इस समूह के महत्व पर जोर दिया, खासकर इसतरह के समय में जब दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष जारी हैं। राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने इस पर गर्व व्यक्त किया कि भारत इस महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है, और संगठन में देश की स्थिति में आए उल्लेखनीय बदलाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले, भारत को ब्रिक्स के भीतर एक कमजोर और कम महत्वपूर्ण सदस्य के रूप में देखा जाता था, जिसकी निरंतर भागीदारी पर भी सवाल उठते थे। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी के सशक्त नेतृत्व में, भारत ने अब खुद को एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है, जो अन्य ब्रिक्स देशों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है। उन्होंने बताया कि ब्रिक्स समूह दुनिया की करीब आधी आबादी और वैश्विक जीडीपी के करीब 40 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है, जिससे मौजूदा चुनौतियों के बीच इसकी भूमिका और भी अहम होती है। भारत 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में 18वें ब्रिक्स लीडर्स समिट की मेजबानी कर रहा है।

पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में भूकंप के झटके, सुबह-सुबह कांपी धरती

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में शुक्रवार सुबह-सुबह धरती कांपी। अलीपुरद्वार में सुबह 6 बजकर 56 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों की नींद उड़ गई। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनएससी) के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 3.0 मापी गई। इसकी गहराई जमीन के अंदर करीब 9 किलोमीटर थी। भूकंप के झटके महसूस होने के बाद लोगों में हलचल मच गई, हालांकि अभी तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है।

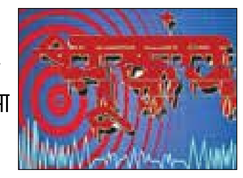

अलीपुरद्वार में आया भूकंप शुक्रवार को भारत में दर्ज हुई भूकंपीय गतिविधियों का हिस्सा था। इससे पहले भी देश के अलग-अलग हिस्सों में धरती हिली। एनएससी के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार रात 12 बजकर 27 मिनट पर लेह-लद्दाख में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसकी गहराई करीब 12 किलोमीटर थी। इसके बाद असम में भी भूकंप दर्ज किया गया, शुक्रवार रात 1 बजकर 20 मिनट के आसपास दिमा हसाओ इलाके में 3.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी गहराई करीब 39 किलोमीटर थी। यानी शुक्रवार की सुबह तक भारत में कम तीव्रता वाले कई भूकंप दर्ज किए जा चुके थे, जिनमें सबसे ज्यादा तीव्रता 3.7 की लेह-लद्दाख में थी। भारत के बाहर के इलाकों में भी शुक्रवार को भूकंप दर्ज हुए। एनएससी के अनुसार, सुबह 4 बजकर 2 मिनट के आसपास तिब्बत में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी गहराई करीब 30 किलोमीटर थी। इसके कुछ समय बाद सुबह 4 बजकर 20 मिनट पर अफगानिस्तान में 3.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया, जिसकी गहराई 163 किलोमीटर थी।

सायोनी ने भाजपा छोड़ी, टीएमसी के बागी सांसदों को झटका

-बंगाल निकाय चुनाव भाजपा अकेले लड़ेगी

कोलकाता, एजेंसी।
पश्चिम बंगाल में नगर निकाय चुनाव होने वाले हैं और भारतीय जनता पार्टी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बागी सांसदों को बड़ा झटका दिया है। भाजपा ने इन चुनावों में बगैर किसी गठबंधन के अकेले उतरने का फैसला किया है, जिससे टीएमसी से अलग होकर नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय कर चुके बागियों की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि आने वाले दिनों में कोलकाता नगर निगम (केएमसी) और हावड़ा नगर निगम के चुनाव हो सकते हैं। तृणमूल कांग्रेस से अलग होकर एनसीपीआई में शामिल होने वाले बागी सांसदों में सायोनी घोष, काकोली घोष दस्तीदार, यूसुफ पठान और सुदीप बंदोपाध्याय समेत कई बड़े नाम शामिल थे। इन नेताओं को उम्मीद थी कि वे आगामी स्थानीय चुनावों में भाजपा के साथ गठबंधन कर मैदान में उतरेंगे। हालांकि, भाजपा के बंगाल अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने इस उम्मीद को तोड़ते हुए कहा, पश्चिम बंगाल में भाजपा का कोई भी गठबंधन साथी नहीं है। हम कोलकाता और हावड़ा नगर निकाय चुनाव अपनी दम पर लड़ेंगे और जीतेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिल्ली में एनसीपीआई के साथ भले ही कोई व्यवस्था हो, लेकिन बंगाल और दिल्ली की राजनीतिक स्थिति अलग है। एक भाजपा नेता ने कहा कि पार्टी पहले अपने ही संगठन, नेताओं और कार्यकर्ताओं पर निर्भर

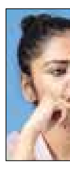

रहना चाहती है, क्योंकि राज्य में सत्ता में आने के बाद यह उनका पहला चुनाव है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि राष्ट्रीय और स्थानीय राजनीति में अंतर होता है, एनसीपीआई के नेता भले ही एनडीए का साथी हों, लेकिन वे पूर्व टीएमसी नेता हैं जिनके खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं ने संघर्ष किया है, ऐसे में गठबंधन से गलत संदेश जाएगा। इसके बावजूद, बागी सांसद दस्तीदार अभी भी उम्मीद लगाए बैठे हैं। उनका कहना है कि वे भाजपा की अगुवाई वाले एनडीए में सबसे बड़े गठबंधन साथी हैं और निकाय चुनाव गठबंधन के साथी के तौर पर ही लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि गठबंधन होने के पूरे आसार हैं। दस्तीदार समेत अधिकांश एनसीपीआई सांसद हाल ही में राजधानी दिल्ली में हुई नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस की बैठक में पहुंचे थे।

सीजेपी का प्लान: अभिजीत दीपके बोले- हमें चुनावों से आगे जाना है

नई दिल्ली, एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के लीडर अभिजीत दीपके ने ऐलान किया है कि उनकी पार्टी का मकसद केवल चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि उससे आगे बढ़कर समाज में एक बड़ा बदलाव लाना है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने अमेरिका से भारत लौटने, कॉकरोच आंदोलन और सीजेपी के भविष्य को लेकर अपनी योजनाएं साझा कीं। दीपके ने कहा कि अब जब वे मैदान में उतर गए हैं, तो आंदोलन को जिंदा रखने की हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है कि बीते मई महीने में देश के मुख्य न्यायाधीश की एक टिप्पणी के बाद 30 वर्षीय अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी की स्थापना की थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर तंज के रूप में यह मुहिम शुरू की थी, लेकिन देखते ही देखते इस आंदोलन से लाखों लोग जुड़ गए और दीपके काफी प्रसिद्ध भी हो गए। बाद में अमेरिका से भारत लौटकर अभिजीत दीपके और उनकी पार्टी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ हुए प्रदर्शनों की अगुवाई की थी।
अभिजीत दीपके ने बताया कि उन्हें सरकार की एक बात बहुत खटक गई थी। उन्होंने हालिया इंटरव्यू में कहा कि सरकार की तरफ से देश के लिए खतरा और एंटी नेशनल जैसे टैग मिलने से वे बेहद दुखी थे। हालांकि उनके परिवार और वकील ने उन्हें भारत न जाने की सलाह दी थी, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अमेरिका से भारत लौटने का फैसला किया। दीपके ने कहा, जब मेरी अपनी ही सरकार ने मुझे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया, तभी मैंने भारत लौटने का फैसला किया। इस बात ने मुझे बहुत दुख पहुंचाया। मैंने तय किया कि मुझे अपने देश वापस जाना चाहिए ताकि मैं यह साबित कर सकूं कि मैं देश की सुरक्षा के लिए कोई खतरा नहीं हूं। मैं अपने देश से प्यार करता हूं, बस उस तरीके से नहीं, जिस तरीके से सरकार चाहती है। कॉकरोच जनता पार्टी ने पेपर लीक आंदोलन की सफलता के बाद अब स्कूल ठीक करो अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत सीजेपी के नेता भारत के सरकारी स्कूलों की बदहाली के मुद्दों को प्रमुखता से उठा रहे हैं। अपनी आगे की योजना पूछे जाने पर अभिजीत दीपके ने स्पष्ट किया कि वे इस आंदोलन को किसी पार्टी या चुनावी राजनीति तक सीमित नहीं रखना चाहते। अभिजीत दीपके ने कहा, ÷लोगों ने राजनीति को सिर्फ चुनाव और राजनीतिक दलों तक सीमित कर दिया है। हम उससे आगे बढ़ना चाहते हैं।÷ उन्होंने आगे कहा कि उनका मकसद एक बड़ा बदलाव लाना है, जहां लोग अपने अधिकार और अपने कर्तव्य समझें, और यह भी जानें कि सत्ता में कोई भी पार्टी आए, उससे जवाबदेही कैसे तय कराई जाए।

तेलंगाना में शुद्धीकरण विवाद : दलित प्रदर्शन के बाद छिड़का हल्दी-दूध

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना की सियासत में एक नया और गंभीर विवाद खड़ा हो गया है, जिसने राज्य में दलितों के कथित अपमान को लेकर पहले से गरमाए राजनीतिक माहौल को और तूल दे दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) के एर्रावेली स्थित फार्महाउस के पास कांग्रेस के दलित कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के बाद, कथित तौर पर हल्दी वाला पानी और दूध छिड़ककर शुद्धीकरण करने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद, पुलिस ने तेलंगाना राष्ट्र समिति (बीआरएस) के समर्थकों के खिलाफ सिद्दिपेट जिले के एर्रावेली और वरदराजपुर गांवों में तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। मामले की शुरुआत तेलंगाना विधानसभा स्पीकर जी प्रसाद कुमार को लेकर बीआरएस के दो एमएलसी द्वारा की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से हुई थी। इसके विरोध में कांग्रेस के दलित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केसीआर के फार्महाउस की ओर मार्च किया और डप्पू बजाकर अपना विरोध दर्ज कराया। पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों के चले जाने के बाद कुछ बीआरएस समर्थकों ने सड़कों पर कथित तौर पर हल्दी वाले पानी और दूध का छिड़काव किया। इस कथित शुद्धीकरण को लेकर दायर तीन प्राथमिकी में स्थानीय बीआरएस नेताओं और समर्थकों को आरोपी बनाया गया है। एर्रावेली में बीआरएस नेता बालराजू समेत 10 अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई, जबकि वरदराजपुर में बीआरएस समर्थक बालामणि, अप्पाला प्रवीण और राजू समेत छह अन्य पर मामला दर्ज किया गया। एक अन्य शिकायत में पावनी गौड़ और आठ अन्य को आरोपी बनाया गया है। इन मामलों में एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम-1989, सिविल राइट्स प्रोटेक्शन एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 (समूहों के बीच दुश्मनी बढ़ाना) और 352 (जानबूझकर अपमान कर शांति भंग कराने का इरादा) के तहत कार्रवाई की गई है। बीआरएस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए पलटवार किया है। पार्टी ने पुलिस में जवाबी शिकायत दर्ज कराई है और दावा किया है कि कांग्रेस द्वारा शुद्धीकरण का आरोप लगाने के लिए इस्तेमाल की गई तस्वीरें भ्रामक हैं और कथित तौर पर एआइ-जेनरेटेड हैं।

जनगणना 2027 का रोडमैप तैयार: 16 नवंबर से ऑनलाइन स्व-गणना

1 दिसंबर से घर-घर पहुंचेगी टीम

नई दिल्ली, एजेंसी।
जनगणना-2027 की तैयारियां तेजी से चल रही हैं, जिसमें इस बार नागरिकों को अपना ब्योरा स्व-गणना के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज करने की सुविधा मिलेगी। यह सुविधा 16 से 30 नवंबर तक उपलब्ध रहेगी। जो परिवार स्व-गणना करेंगे, उन्हें एक पहचान संख्या मिलेगी, जिसे प्रगणक को बताना होगा। 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी दर्ज करेंगे। जनगणना के दौरान जाति और राष्ट्रीयता से जुड़ी जानकारी व्यक्ति की ओर से दी गई सूचना के आधार पर दर्ज की जाएगी। इसके लिए किसी नागरिक से प्रमाणपत्र या अन्य दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा। जनगणना के दूसरे चरण में प्रत्येक परिवार से निर्धारित 40 सवाल पूछकर जानकारी दर्ज की जाएगी। घर-घर जनगणना प्रक्रिया के बाद, 5 से 9 जनवरी 2027 तक पुनरीक्षण कार्य होगा।
जनगणना की संदर्भ तिथि 5 जनवरी 2027 की मध्यरात्रि निर्धारित की गई है। औरैया में जिलाधिकारी बृजेश कुमार की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक में तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में संबंधित विभागों को समय से सभी व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए गए। जिले में जनगणना के लिए 50 फील्ड ट्रेनर चिन्हित किए गए हैं, जिन्हें अक्टूबर में मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षित करेंगे। ये फील्ड ट्रेनर 20 नवंबर से पहले प्रगणकों और सुपरवाइजरों को जनगणना प्रक्रिया समझाएंगे। लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों, कॉलेजों और ग्रामीण-शहरी इलाकों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसमें पेंटिंग, रंगोली, भाषण, निबंध, प्रश्नोत्तरी और प्रभात फेरी जैसी गतिविधियां शामिल होंगी। ग्रामीण और शहरी इलाकों में वॉल पेंटिंग, बैनर-पोस्टर, होर्डिंग, कूड़ा संग्रहण वाहनों और सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के जरिए भी लोगों को जागरूक किया जाएगा। जिलाधिकारी ने छोटे जागरूकता वीडियो और डिजिटल प्रचार सामग्री तैयार कर सोशल मीडिया के जरिए लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने जोर दिया कि जनगणना से जुटाए जाने वाले आंकड़े भविष्य की विकास योजनाओं, संसाधनों के वितरण और नीति निर्माण का आधार बनते हैं। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ तैयारियां समय से पूरी करने को कहा।

राघव चड्ढा ने आप को बताया दिलजला आशिक वोटर लिस्ट विवाद पर तीखी बयानबाजी

चंडीगढ़, एजेंसी।
पंजाब में वोटर लिस्ट में नाम कटने और दिल्ली की वोटर लिस्ट में जुड़ने के बाद भाजपा सांसद राघव चड्ढा और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। आप की ओर से बेशर्मी का आरोप लगाने के बाद राघव चड्ढा ने पलटवार करते हुए आप को दिलजला आशिक करार दिया है। चड्ढा ने कहा कि जहां तक उनके वोट का सवाल है, आम आदमी पार्टी की ऐसी हालत हो गई है कि उन्हें रात को सपने में मैं भूत बनकर आता हूं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आप की हालत उस एक्स गर्लफ्रेंड जैसी है जिसे उसका बॉयफ्रेंड छोड़कर आगे निकल गया हो और अपनी जिंदगी में मूव ऑन कर गया हो। चड्ढा ने आगे कहा, मुझे ऐसा लगता है कि किसी दिन दिल जले आशिक की तरह मेरी याद में अपनी नसें ना काट लें। मुझे उनकी बड़ी चिंता रहती है।
इससे पहले, राघव चड्ढा ने पंजाब की आप सरकार पर राजनीतिक विद्वेष के कारण वोटर लिस्ट में उनका नाम शिफ्टेड कैटेगरी में डालने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि उनके पार्टी छोड़ने के बाद से आप उन्हें लगातार निशाना बना रही है और ऐसा लगता है कि वह अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को परेशान कर रहे हैं। इस पर आम आदमी पार्टी ने राघव चड्ढा का नाम दिल्ली की वोटर लिस्ट में असामान्य तरीके से जुड़ने पर चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर सवाल उठाए। आप की दिल्ली इकाई के प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि 31 अगस्त को जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में राजिंदर नगर के संबंधित पोलिंग पार्ट में 746 मतदाता थे, लेकिन बाद में राघव चड्ढा का नाम 747वें मतदाता के तौर पर जुड़ गया। भारद्वाज ने सवाल उठाया कि जब ड्राफ्ट सूची में 746 नाम थे तो उसके बाद 747वां नाम किस प्रक्रिया के तहत जोड़ा गया, और चुनाव आयोग से इस पूरी प्रक्रिया को स्पष्ट करने की मांग की।
आप के प्रवक्ता अनुराग ढांडा ने भी चड्ढा पर हमला बोलते हुए कहा कि चुनाव आयोग के रिकॉर्ड के मुताबिक 26 अगस्त को राघव चड्ढा ने दिल्ली में वोट बनवाने के लिए फॉर्म 6 दाखिल किया और 2 सितंबर को उनका वोट अप्रूव होकर जुड़ गया। ढांडा ने कहा कि 26 अगस्त को दिल्ली में वोट के लिए आवेदन करने और 3 सितंबर को पंजाब सरकार पर वोट कटवाने का आरोप लगाने से राघव चड्ढा और बीजेपी का बेशर्म चेहरा बेनकाब हो गया है।

पीके का पलटवार: बिहार को सम्राट जैसे नेताओं के हाथ में नहीं छोड़ सकता

पटना, एजेंसी।
जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के उन्हें बेचारा कहने वाले बयान पर तीखा पलटवार किया है। प्रशांत किशोर ने कहा है कि वह सम्राट चौधरी जैसे नेताओं के हाथ में बिहार को नहीं छोड़ सकते, इसलिए बिहार को बदलने के उनके संकल्प के सामने कोई चारा नहीं है और बेचारा कहलाने में उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। मुख्यमंत्री ने कुछ समय पहले एक साक्षात्कार में प्रशांत किशोर को बेचारा कहा था।
एमएलसी चुनाव की तैयारी के लिए जन सुराज की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा, हम तो बेचारे हैं ही, क्योंकि बिहार को छोड़कर जाने का कोई चारा हमारे पास नहीं है। मुख्यमंत्री ने ठीक ही कहा है। उन्हें किसी ने बेचारा शब्द का शाब्दिक अर्थ नहीं समझाया है। जिसके पास कोई चारा नहीं होता, वही बेचारा कहलाता है। बिहार को सुधारने के संकल्प के अलावा कोई चारा नहीं है। हम सम्राट चौधरी जैसे लोगों के हाथ में बिहार को छोड़कर जा नहीं सकते। इस नजरिए से हम तो बेचारे है हीं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने साक्षात्कार में प्रशांत किशोर पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा था, वह जो बोल रहे हैं, बोलने दीजिए। बेचारा है, जो करना है करने दीजिए। हम बिहार के लिए काम करने आए हैं। मेरे खिलाफ कुछ है तो कोर्ट में जाएं, कोर्ट तय कर देगा। मेरे खिलाफ लोग सुप्रीम कोर्ट तक लड़ते रहते हैं। मैं व्यक्तिगत राजनीति में विश्वास नहीं रखता। प्रशांत किशोर ने बिहार में बाढ़ की भीषण समस्या के लिए भी राज्य की सरकारों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पिछले बीस सालों से एनडीए की सरकार होने के बावजूद हर साल बाढ़ से लाखों लोग तबाह होते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि सत्ता में बैठे नेताओं और पदाधिकारियों के लिए बाढ़ कमाई का जरिया बनकर रह गई है। यहां बाढ़ से राहत दिलाने की हर योजना में गड़बड़ी की जाती है, चाहे वह बांध बनाने में चोरी हो, बांध टूटने पर उसकी मरम्मत में चोरी हो या बाढ़ फैलने पर राहत कार्य में चोरी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार में बैठे लोग नहीं चाहते कि राज्य में बाढ़ की समस्या खत्म हो। इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जल संसाधन विभाग को जनता दल (यूनाइटेड) ने कभी नहीं छोड़ा और यह

विभाग लगातार उनके पास रहा है। प्रशांत किशोर के अनुसार, बाढ़ से निजात दिलाने के नाम पर सिर्फ फोटोग्राफी की राजनीति होती है।

वीबीवायएलडी क्विज और जेम्स ऑफ इंडिया चैलेंज में अधिकाधिक सहभागिता के लिए माय भारत सिलवासा का विशेष अभियान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 11 सितंबर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत, सिलवासा द्वारा युवाओं को राष्ट्र निर्माण एवं विकसित भारत@2047 के संकल्प से जोड़ने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विकसित भारत यंग लीडरशिप डायलॉग क्विज का आयोजन माय भारत पोर्टल पर 1 से 30 सितंबर 2026 तक किया जा रहा है, जिसमें 15 से 29 वर्ष के युवा अपनी प्रतिभा एवं ज्ञान का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर के युवा नेतृत्व कार्यक्रम से जुड़ सकते हैं।

विकसित भारत यंग लीडरशिप डायलॉग क्विज के विभिन्न चरणः विकसित भारत यंग लीडरशिप डायलॉग के अंतर्गत युवाओं की चयन प्रक्रिया विभिन्न चरणों में आयोजित की जाएगी। प्रथम चरण में युवाओं को माय भारत पोर्टल पर विकसित भारत यंग लीडरशिप डायलॉग क्विज में भाग लेना होगा। क्विज के बाद चयनित प्रतिभागी ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता में शामिल होंगे, जिसके पश्चात जिला एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। राज्य स्तर पर चयनित विजेताओं को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता एवं संवाद कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जहाँ देशभर से चयनित युवा अपने विचार साझा करेंगे।

इसी क्रम में जेम्स ऑफ इंडिया चैलेंज, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की एक पहल है, जिसके माध्यम से युवाओं को भारत की समृद्ध विरासत, संस्कृति, विविधता एवं प्रेरणादायक कहानियों को रचनात्मक माध्यम से प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा भारत की अनूठी पहचान और स्थानीय विशेषताओं को देशभर के सामने प्रस्तुत करने का अवसर मिल रहा है। मेरा युवा भारत सिलवासा के जिला युवा अधिकारी एवं स्वयंसेवको द्वारा जिले के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, आईटीआई एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों का दौरा कर विद्यार्थियों एवं युवाओं को विकसित भारत यंग लीडरशिप डायलॉग क्विज तथा जेम्स ऑफ इंडिया चैलेंज के बारे में जानकारी दी जा रही है। माय भारत टीम द्वारा युवाओं को इन दोनों प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही, संस्थानों के सहयोग से युवाओं को पंजीकरण एवं प्रतियोगिताओं में सहभागिता की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी प्रदान की जा रही है।

एसआईआर 2026: ड्राफ्ट मतदाता सूची में 2.05 लाख मतदाता के फॉर्म डिजिटाइज, 73976 मामलों में नोटिस जारी

■ दावा-आपत्ति के निस्तारण में 4 हजार से अधिक मामलों में कार्रवाई, अंतिम रोल में 2,03,601 नेट मतदाता

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 11 सितंबर। विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में प्रशासन की ओर से प्राप्त दावे-आपत्तियों तथा मतदाताओं के नामों के सत्यापन की विस्तृत स्थिति सामने आई है। 11 सितंबर 2026 को जारी स्थिति रिपोर्ट के अनुसार एसआईआर से पहले 4 जून 2026 की स्थिति में कुल 2,91,672 मतदाता दर्ज थे। एसआईआर के दौरान 4 जून से 3 जुलाई 2026 तक कुल 2,05,998 Enumeration Forms एकत्र कर डिजिटाइज किए गए। इनमें 58,551 मतदाताओं को Self से तथा 1,31,568 को Progeny से मैप किया गया, जबकि 15,879 मामलों में Mapping नहीं हो सकी।

85,674 फॉर्म नहीं हो सके एकत्रः रिपोर्ट के अनुसार कुल 85,674 Enumeration Forms कारणों सहित एकत्र नहीं किए जा सके। इनमें 5,581 मतदाताओं की मृत्यु, 64,473 मतदाताओं का पता नहीं चलना/अनुपस्थित होना, 13,118 का स्थायी रूप से स्थानांतरित होना, 2,084 का पहले से ही नामांकित होना तथा 418 अन्य कारणों से संबंधित मामले शामिल हैं। BLOs ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त BLAs के साथ विचार-विमर्श कर Enumeration Forms जमा नहीं करने वाले मतदाताओं की सूची तैयार की और 10 जुलाई 2026 को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को इसकी प्रति उपलब्ध कराई। यह सूची उएड की वेबसाइट पर भी प्रकाशित की गई। इसके बाद 10 जुलाई 2026 को Draft Roll-2026 प्रकाशित किया गया।

73,976 मामलों में नोटिस और सुनवाईः एसआईआर की नोटिस एवं दावा-आपत्ति निस्तारण प्रक्रिया के दौरान कुल 73,976 नोटिस जारी किए गए। इनमें 15,870 No Mapping तथा 58,106 Logical Discrepancies से संबंधित मामले थे।

रिपोर्ट के अनुसार इन सभी 73,976 मामलों में सुनवाई पूरी की गई। सुनवाई के बाद 3,536 मामलों में मतदाता पात्र नहीं पाए गए, जबकि 70,440 मामलों को नोटिस के संबंध में अंतिम रूप से पार्क किया गया। इसके अतिरिक्त 1,32,016 अन्य मामलों को भी Final के रूप में पार्क किया गया।

दावा-आपत्तियों में Form-7 सबसे अधिकः 10 जुलाई से 9 अगस्त 2026 के बीच प्राप्त दावे एवं आपत्तियों के आंकड़ों के अनुसार फार्म-6 में 1,231 फॉर्म स्वीकृत और फॉर्म अस्वीकृत 694, फॉर्म 7 में 3,628 फॉर्म स्वीकृत और फॉर्म 8 में 749 फॉर्म स्वीकृत और 339 फॉर्म अस्वीकृत हुए।

इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि फॉर्म-7 के 3,628 आवेदन स्वीकार किए गए और एक भी आवेदन अस्वीकार नहीं हुआ। वहीं फॉर्म-6 के 1,231 और फॉर्म-8 के 749 आवेदन स्वीकार किए गए।

अंतिम रोल में 2,03,601 नेट मतदाताः रिपोर्ट में दिए गए अंतिम गणना के अनुसार ड्रॉफ्ट रोल में 2,05,998 मतदाता थे। इसमें 1,231 मतदाताओं की Addition तथा 3,628 मतदाताओं की Deletion के बाद अंतिम रोल में 2,03,601 Net Voters दर्ज किए गए हैं। एसआईआर-2026 की यह प्रक्रिया मतदाता सूची को अधिक अद्यतन, शुद्ध एवं सत्यापित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

भेंसलोर प्राइमरी स्कूल में गूंजी सुरक्षा की आवाजः छात्राओं ने सीखे कानूनी अधिकार

■ एडवोकेट सोहिनी भंडारी ने छात्राओं को किया जागरूकःबेटियों को मिली अधिकारों की ढाल ■ एआईडबल्यूसी महिला मंडल ने सिखाया सुरक्षा का पाठ

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 11 सितंबर। अखिल भारतीय महिला परिषद (एआईडबल्यूसी) से जुड़ी महिला मंडल ने दमण के भेंसलोर चार रास्ता स्थित प्राइमरी स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कक्षा 6 से 8 की लड़कियों को कानून और उनके अधिकारों और शक्तियों के बारे में जागरूक करना था। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एडवोकेट सोहिनी भंडारी ने "अपने अधिकार जानो, अपनी शक्ति जानो" विषय पर विस्तार से भाषण दिया और लड़कियों को बहुत खूबसूरती से समझाया। उन्होंने लड़कियों से कहा कि आपको अपने सामने एक सीमा बनानी होगी, जिसके अंदर आपकी सहमति के बिना कोई भी प्रवेश नहीं कर सकता। जब आपको लगे कि कुछ गलत हो रहा है, तो चुप न रहें और तुरंत अपनी आवाज उठाएं। ऐसी कई महत्वपूर्ण बातें विस्तार से समझाई गईं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भेंसलोर स्कूल के आचार्य नवीन पटेल और दुनेठा स्कूल की आचार्या स्मिता पटेल का बहुत सहयोग मिला। इसके साथ ही स्कूल के दूसरे शिक्षक, दोस्तों और स्टाफ का भी बहुत सहयोग मिला। वेलकम स्पीच विमेंस क्लब की वाइस प्रेसिडेंट पुष्पा धुक ने दी। जॉइंट सेक्रेटरी नीता मेहता ने कार्यक्रम की अनुमती देने हेतु स्कूल आचार्य और सभी उपस्थितों का आभार जताया। बच्चों ने बहुत शांति और दिलचस्पी से कार्यक्रम का मज़ा लिया। विमेंस क्लब, दमण की दूसरी मेंबर जयश्रीबेन, रेणुकाबेन आदि बड़ी संख्या में छात्राएं इस अवसर पर मौजूद रही।

दीव जिला में विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत अंतिम निर्वाचक नामावली प्रकाशित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 11 सितंबर। भारत निर्वाचन आयोग तथा दादरा नगर हवेली और दमण-दीव मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देश के अनुपालन में अर्हता तिथि 01.07.2026 के आधार पर दीव जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 का कार्य संपन्न किया गया है। विभाग द्वारा जारी आंक़डो के अनुसार विशेष गहन पुनरीक्षण का प्रारंभ के वक्त 4 जून को दीव जिले में कुल 36,641 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें 16656 पुरुष, 19985 महिला तथा 0 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल थे। सभी 36641 मतदाताओं के लिए गणना प्रपत्र तैयार एवं मुद्रित कर बीएलओ के माध्यम से वितरित किए गए। इनमें से 30796 (84.04 प्रतिशत) गणना प्रपत्र मतदाताओं से प्राप्त हुए, जबकि 5845 (15.96 प्रतिशत) गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए। प्राप्त न हुए प्रपत्रों से संबंधित मतदाताओं को अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं दोहरे नामांकन की श्रेणियों में सूचीबद्ध किया गया। इनमें 457 मृत, 67 दोहरे नामांकन तथा 5321 स्थायी रूप से स्थानांतरित/अनुपस्थित/अप्राप्य मतदाता शामिल हैं। इसके बाद विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 की प्रारूप निर्वाचक नामावली 10 जुलाई को प्रकाशित की गई। जिसमें कुल 30796 मतदाता थे, जिनमें 14240 पुरुष, 16556 महिला तथा 0 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल थे। प्रारूप निर्वाचक नामावली में शामिल 36641 मतदाताओं में से 27392 मतदाताओं का उनके माता-पिता/स्वयं की अंतिम विशेष गहन पुनरीक्षण निर्वाचक नामावली के विवरण से उनके सामान्य निवास स्थान पर मिलान किया गया। इनमें 9512 स्वयं-मिलान तथा 17880 वंशज के रूप में मिलान किए गए। इन मिलान किए गए मतदाताओं में से 11806 मतदाताओं को ईसीआईनेट प्रणाली द्वारा विभिन्न श्रेणियों में तार्किक विसंगतियों के अंतर्गत चिह्नित किया गया। इनमें 3404 अमिलान तथा 8402 तार्किक विसंगतियां शामिल थीं। इन तार्किक विसंगतियों एवं अमिलान मामलों के संबंध में निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों द्वारा संबंधित प्रावधानों के अनुसार नोटिस जारी करने, सुनवाई करने तथा आवश्यक दस्तावेज/बीएलओ प्रतिज्ञापन प्राप्त करने के उपरांत मामलों का निर्णय किया गया। इसके परिणामस्वरूप 1244 मतदाताओं को अमिलान एवं तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में अयोग्य पाए जाने के बाद अंतिम निर्वाचक नामावली से हटा दिया गया। उल्लेखनीय है कि विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 की अंतिम निर्वाचक नामावली आज 11 सितंबर को प्रकाशित कर दी गई है। अंतिम निर्वाचक नामावली में कुल 30394 मतदाता हैं, जिनमें 14107 पुरुष और 16287 महिला मतदाता सहित कुल 30394 मतदाता शामिल हैं। यह अंतिम निर्वाचक नामावली दीव जिले के सभी मतदान केंद्रों पर प्रदर्शित कर दी गई है। इसके अतिरिक्त, अंतिम निर्वाचक नामावली आम जनता के निरीक्षण के लिए सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी, दीव के कार्यालय में भी उपलब्ध रहेगी। विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 की अंतिम निर्वाचक नामावली की एक प्रति मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को भी उपलब्ध कराई जाएगी। यदि कोई व्यक्ति निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के निर्णय से असंतुष्ट है, तो वह लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 24(क) तथा निर्वाचक पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 27 के अंतर्गत निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के निर्णय की तारीख से 15 दिनों के भीतर जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रथम अपील प्रस्तुत कर सकता है। जिला मजिस्ट्रेट के निर्णय से असंतुष्ट होने की स्थिति में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 24(ख) तथा निर्वाचक पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 27 के अंतर्गत जिला मजिस्ट्रेट के निर्णय की तारीख से 30 दिनों के भीतर मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष द्वितीय अपील प्रस्तुत की जा सकती है।

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव

लोक निर्माण विभाग - दमन

निविदा आमंत्रण सूचना

मारवाड़, नानी दमन में पार्किंग क्षेत्र और उससे जुड़े कार्यों का विकास।

टेंडर आईडी नंबर : 2026_DAMAN_4953_1

प्रीबिड मीटिंग की तारीख : 15/09/2026

डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 18/09/2026

हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि : 18/09/2026

बोली खुलने की तिथि : 18/09/2026

For details please scan https://ddtenders.gov.in

कार्यपालक अभियंता,लो.नि.वि., दमण,

No: IP/DMN/2/5/2026-27/485 dtd: 11/9/2026

केंद्रशासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमण और दीव प्रशासन

पर्यटन विभाग, दा.न.ह. एवं दमण एवं दीव

निविदा सूचना

दमण जिले में स्मार्ट शेयर्ड मोबिलिटी सेवाओं (साइकिल या ई-स्कूटर) के प्रावधान, संचालन और रखरखाव के लिए एजेंसी के चयन हेतु निविदा आमंत्रण (आरएफपी)

निविदा आईडी: 2026_DAMAN_4952_1

निविदा सं 3/123/DT/DNH&DD/Bicycles/2024-25/384

Visit https://ddtenders.gov.in/ or, visit https://ddd.gov.in/ dnhddtourism@gmail.com Phone No. 0260-2250002

हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि : 28/09/2026

बोली खुलने की तिथि : 29/09/2026

निदेशक (पर्यटन), पर्यटन विभाग, विद्युत भवन, कचीगाम, दमण – 396 215

No: IP/DMN/2/5/2026-27/487 dtd: 11/9/2026

श्रावणी अमावस्या पर गंगेश्वर मंदिर पहुंचे दिव्यांग बच्चों ने की भगवान शिव की पूजा-अर्चना

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 11 सितंबर। श्रावणी अमावस्या के पवित्र महीने में दीव की वात्सल्य संस्था के मानसिक तौर पर दिव्यांग बच्चों को दर्शन के लिए गंगेश्वर महादेव मंदिर ले जाया गया। क्योंकि आज श्रावणी अमावस्या थी, इसलिए वात्सल्य संस्था के यह दिव्यांग बच्चों को सुबह दर्शन के लिए गंगेश्वर महादेव मंदिर ले जाया गया। जहाँ उन्होंने समुद्र की लहरों के बीच शिवलिंग के दर्शन किए। दर्शन के साथ-साथ, बच्चों ने भजन और रासगरबा की मस्ती के साथ यात्रा का आनंद लिया। संस्था के स्टाफ ने दिव्यांग बच्चों की देखरेख और देखभाल का पूरी तरह से ध्यान रखा। मंदिर के मैनेजमेंट डिपार्टमेंट ने भी बच्चों की देखरेख में मदद की। वात्सल्य संस्था ने उनका और यात्रा के आयोजन हेतु पैसे से मदद करने वाले सभी दाताओं का शुक्रिया अदा किया।

CHANGE OF NAME

OLD NAME: NIZAMUDDIN KUTBUDDIN SHAIKH

NEW NAME: NIZAMUDDIN KUTBUDDIN SHAIKH

FATHER OLD NAME: KUTBUDDIN SHAIKH

FATHER NEW NAME: KUTBUDDIN SAMSUDDIN SHAIKH

CHANGE OF NAME

OLD NAME: NIZAMUDDIN KUTBUDDIN SHAIKH

NEW NAME: NIZAMUDDIN KUTBUDDIN SHAIKH

FATHER OLD NAME : KUTBUDDIN SHAIKH

FATHER NEW NAME : KUTBUDDIN SAMSUDDIN SHAIKH

संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण एवं दीव प्रशासन

कृषि, मृदा संरक्षण एवं बागवानी विभाग

कृषि कार्यालय, दमण ।

फोन –फेक्स :- 0260 2230856 ई-मेल :- ddir-agri-dd@nic.in

Notice No.ZAO/DMN/Chi.fruit/2026-27/124, dated 09/09/2026

कृषि विभाग, दमण के शासकीय बीज बहुलीकरण फार्म, कचीगाम स्थित रहे चीकू के पेड़ों के फल वर्ष 2026-27 की पुनः खुली नीलामी (4th call) दिनांक 16/09/2026 को पूर्वाहन 11.00 बजे कृषक प्रशिक्षण केन्द्र, कचीगाम मे आयोजित की गई है। इस नीलामी मे भाग लेने इच्छुक एजन्सीयो/ आपूर्तिकर्ताओं /फल विक्रेताओं को उक्त दिनांक एवं समय पर मौजूद रहने हेतु अनुरोध किया जाता है।

उक्त नीलामी मे भाग लेने वाले इच्छुक को रुपिया 5000/- (रुपिया पाँच हजार केवल) नकद जमा करना होगा। उक्त नीलामी सूचना सह शर्तो की विस्तृत जानकारी सरकारी वेबसाइट www.ddd.gov.in. पे उपलब्ध है।

-Sd-

निदेशक सह सयुंक्त सचिव (कृषि)

दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव

No: IP/DMN/2/5/2026-27/488 dtd: 11/9/2026

(पेज 8 का शेष समाचार)

दमण जिले में एसआईआर-2026 के बाद अंतिम मतदाता सूची...

इनमें 1,686 मृत, 31,726 पता न चलने योग्य अथवा अनुपस्थित, 6,653 स्थायी रूप से स्थानांतरित, 467 पहले से नामांकित तथा 688 अन्य मामलों के मतदाता शामिल हैं। निर्वाचनि विभाग द्वारा 10 जुलाई 2026 को प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची में कुल 95,144 मतदाता शामिल थे। इनमें 45,494 पुरुष और 49,650 महिला मतदाता दर्ज किए गए थे। प्रारूप सूची के बाद अमान्य एवं तार्किक विसंगतियों से जुड़े मामलों की सुनवाई और निपटारे के पश्चात 4,340 मतदाताओं को अयोग्य घोषित किया गया। इसके बाद 11 सितंबर 2026 को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में 44,116 पुरुष और 48,116 महिला मतदाता, यानी कुल 92,232 मतदाता शामिल किए गए हैं। निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) के किसी निर्णय से असंतुष्ट व्यक्ति को अपील करने का भी प्रावधान दिया गया है। संबंधित व्यक्ति ईआरओ के निर्णय के 15 दिनों के भीतर जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष पहली अपील कर सकता है। वहीं जिला मजिस्ट्रेट के निर्णय के खिलाफ 30 दिनों के भीतर मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष दूसरी अपील की जा सकती है। इसके अतिरिक्त 1 जुलाई 2026 की अर्हता तिथि के संदर्भ में सेवा मतदाताओं की अंतिम मतदाता सूची भी 11 सितंबर 2026 को प्रकाशित कर दी गई है, जिसमें कुल 13 सेवा मतदाता शामिल हैं।

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन

लोक निर्माण विभाग — दीव

निविदा आमंत्रण सूचना

सेवा भवन परिसर, दीव में प्रवेश द्वार का निर्माण, बाहरी विकास, रोशनी की व्यवस्था और अन्य संबंधित कार्य।

For details please scan https://ddtenders.gov.in eepwd-diu-dd@nic.in 02875-252294

निविदा सूचना सं. एवं पहचान सं. : 43/2026-2027 (2026_DIUDT_4954_1)

प्री-बिड मीटिंग की तिथि : --

डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 21/09/2026

ऑनलाइन करने की तिथि : 21/09/2026

बोली खुलने की तिथि : 21/09/2026

कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव.

No: IP/DMN/2/5/2026-27/486 dtd: 11/9/2026

केंद्रशासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमण और दीव प्रशासन

पर्यटन विभाग, दा.न.ह. एवं दमण एवं दीव

निविदा सूचना

प्रस्ताव हेतु अनुरोध — दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव केंद्रशासित प्रदेश में पर्यटन सर्वेक्षण करवाने हेतु एक सर्वेक्षण एजेंसी को नियुक्त करने के लिए। (आरएफपी)

Visit https://ddtenders.gov.in/ or, visit https://ddd.gov.in/ dnhddtourism@gmail.com Phone No. 0260-2250002

निविदा आईडी: 2026_DAMAN_4958_1

निविदा सं: 5/235/DOT/DNHDD/SAP/202122/388

हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि : 30/09/2026

बोली खुलने की तिथि : 01/10/2026

निदेशक (पर्यटन), पर्यटन विभाग, विद्युत भवन, कचीगाम, दमण – 396 215

No: IP/DMN/2/5/2026-27/489 dtd: 11/9/2026

ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, सहयोग का सेतु बने

ललित गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं।

नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब विश्व व्यवस्था गहरे संक्रमण से गुजर रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का तनाव, आतंकवाद, व्यापारिक टकराव, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा की चिंता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तेज होती चुनौती और वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों ने दुनिया के सामने अनेक अनुत्तरित सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके साथ ही अमेरिका की व्यापार एवं रणनीतिक नीतियों से पैदा हो रहा दबाव भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। ऐसे वातावरण में भारत की अध्यक्षता में होने वाला यह सम्मेलन केवल एक कूटनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत ने अपनी अध्यक्षता का मूल मंत्र रखा है- लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के आधार पर भविष्य का निर्माण। ब्रिक्स अब 2006 में आरंभ हुई उस मूल अवधारणा से बहुत आगे निकल चुका है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में सामने आए थे और बाद में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हुआ। विस्तार के बाद यह 11 सदस्यीय समूह बन चुका है और इसका प्रभाव वैश्विक दक्षिण की राजनीति और अर्थव्यवस्था में लगातार बढ़ा है। वर्ष 2026 ब्रिक्स की स्थापना के दो दशक पूरे होने का वर्ष भी है। भारत के लिए यह अध्यक्षता इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह ब्रिक्स को किसी पश्चिम-विरोधी या अमेरिका-विरोधी मंच के रूप में नहीं, बल्कि विकासशील एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं की रचनात्मक, संतुलित और बहुपक्षीय आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है।

ब्राजील में 2025 के ब्रिक्स सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने, बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार वैश्विक शासन, जलवायु वित्त, स्वास्थ्य, व्यापार और वित्तीय सहयोग जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सहमति बनी थी। रियो घोषणा में संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया था। साथ ही स्थानीय मुद्राओं में वित्तीय लेन-देन, सीमा-पार भुगतान व्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ने की बात कही गई थी। भारत को 2026 की अध्यक्षता सौंपते हुए ब्राजील ने नई दिल्ली से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की थी। इस दृष्टि से दिल्ली सम्मेलन की पहली बड़ी कसौटी यही होगी कि ब्रिक्स घोषणाओं और वास्तविक उपलब्धियों के बीच की दूरी कितनी कम कर पाता है। भारत ने अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। राजनीतिक एवं सुरक्षा सहयोग, आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग तथा सांस्कृतिक एवं जन-जन संपर्क-इन तीनों क्षेत्रों में व्यावहारिक परिणामों पर जोर दिया गया है। इसलिए अब दुनिया की नजर इस बात पर होगी कि सम्मेलन के अंत में केवल लंबा संयुक्त घोषणापत्र सामने आता है या कुछ ऐसे ठोस फैसले भी होते हैं जिनका असर आने वाले वर्षों में दिखाई दे।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं। ब्राजील सम्मेलन में भी एआई के वैश्विक शासन को लेकर व्यापक चिंता व्यक्त की गई थी। भारत अब ब्रिक्स देशों के बीच एआई, उन्नत कंप्यूटिंग, क्वांटम तकनीक और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में जोर दे रहा है। यदि ब्रिक्स तकनीक को कुछ शक्तिशाली देशों और कंपनियों के नियंत्रण से बाहर निकालकर विकासशील देशों की पहुंच तक ले जाने की प्रभावी व्यवस्था बना सके, तो यह उसकी बड़ी उपलब्धि होगी। दूसरी बड़ी चुनौती आर्थिक है। विश्व अर्थव्यवस्था में ब्रिक्स का वजन बढ़ रहा है, लेकिन समूह के भीतर आपसी व्यापार अभी भी उसकी संभावित क्षमता के अनुरूप नहीं है। भारत आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक मजबूत और विविध बनाने, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को वित्त उपलब्ध कराने तथा स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। जयपुर में हुई ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स इकनोमिक पार्टनरशिप 2030, एमएसएमई के लिए वित्तीय सुविधा और अधिक संतुलित व्यापार जैसे मुद्दों पर प्रगति हुई है।

यहां 'डी-डॉलराइजेशन' का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत का दृष्टिकोण अत्यंत व्यावहारिक है। भारत किसी नई साझा ब्रिक्स मुद्रा के निर्माण की जल्दबाजी में नहीं है। इसके बजाय सीमा-पार डिजिटल भुगतान की ऐसी व्यवस्था विकसित करने पर जोर है, जिससे सदस्य देश अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में अपेक्षाकृत सुगम व्यापार कर सकें। यह दृष्टिकोण अमेरिकी डॉलर के खिलाफ किसी राजनीतिक मोचेबंदी से अधिक वित्तीय स्वायत्तता और लेन-देन की सुविधा का प्रयास है। परंतु ब्रिक्स की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी आंतरिक विविधता और मतभेद हैं। भारत और चीन के बीच सीमा एवं रणनीतिक अविश्वास की विरासत अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। रूस और पश्चिम के बीच संघर्ष, ईरान से जुड़े तनाव तथा पश्चिम एशिया की जटिल परिस्थितियां भी ब्रिक्स के लिए साझा राजनीतिक रुख बनाना कठिन बनाती हैं। विशेष रूप से पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट में ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के अलग-अलग हित हैं। ऐसे में ब्रिक्स यदि हर अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर एकमत नहीं हो पाता तो यह उसकी सीमाओं को उजागर करेगा।

यही कारण है कि भारत के सामने इस सम्मेलन में सबसे कठिन कूटनीतिक संतुलन है। उसे चीन और रूस के साथ सहयोग भी बढ़ाना है, लेकिन अमेरिका और यूरोप सहित पश्चिमी देशों से अपने आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध भी बनाए रखने हैं। भारत का हित किसी एक शक्ति-ध्रुव के साथ खड़े होने में नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय विश्व में अपनी रणनीतिक स्वायत्तता मजबूत करने में है। ब्रिक्स को यदि केवल 'पश्चिम के विकल्प' के रूप में प्रस्तुत किया गया तो उसकी स्वीकार्यता सीमित हो सकती है, लेकिन यदि वह वैश्विक दक्षिण के विकास, शांति, तकनीकी समानता और न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व का मंच बनता है, तो उसका महत्व कहीं अधिक बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं। उनका तर्क है कि बीसवीं सदी में बनाई गई संस्थाओं को इक्कीसवीं सदी की वास्तविकताओं के अनुरूप बदलना होगा। आज विश्व अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान बढ़ा है, यदि उन्हें निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलता तो संस्थाओं की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता दोनों प्रभावित होती हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में सुधार की मांग इसी व्यापक संदर्भ का हिस्सा है। ब्रिक्स इस मांग को संगठित आवाज देने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

लेकिन सम्मेलन की सफलता का वास्तविक पैमाना अमेरिका की आलोचना या पश्चिमी व्यवस्था को चुनौती देना नहीं होगा। सफलता तब मानी जाएगी जब ब्रिक्स दुनिया को बेहतर विकल्प दे-ऐसा विकल्प जिसमें आर्थिक सहयोग हो, तकनीकी साझेदारी हो, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा हो, आतंकवाद के विरुद्ध साझा प्रतिबद्धता हो, आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा हो, पर्यावरणीय संतुलन हो और विकासशील देशों की वास्तविक भागीदारी हो। भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना तभी सार्थक होगी, जब ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का नया अखाड़ा बनने के बजाय सहयोग का नया सेतु बने। अंततः दिल्ली सम्मेलन भारत की कूटनीतिक क्षमता की भी परीक्षा है और ब्रिक्स की प्रासंगिकता की भी। दुनिया आज युद्ध से अधिक शांति, प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग और प्रभुत्व से अधिक साझेदारी चाहती है। मानवता का भविष्य केवल हथियारों, अंतरिक्ष अभियानों या कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति में नहीं, बल्कि पृथ्वी पर रहने वाले मनुष्यों के बीच विश्वास, सह-अस्तित्व और साझा विकास में सुरक्षित है। यदि नई दिल्ली सम्मेलन घोषणाओं से आगे बढ़कर इस विश्वास को संस्थागत रूप देने की दिशा में कुछ ठोस कदम उठा सका, तो यह भारत की अध्यक्षता की बड़ी उपलब्धि होगी। अन्यथा ब्रिक्स भी अनेक वैश्विक मंचों की तरह उम्मीदें जगाने वाला, लेकिन अपेक्षाओं पर अधूरा उतरने वाला संगठन बनकर रह जाएगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

पनीर का अर्थशास्त्र

एक समय देश में विशिष्ट खाद्य पदार्थ माने जाने वाले पनीर को लेकर आज गहराता अविश्वास चिंता की बात है। मुनाफे के लिये उपभोक्ता के विश्वास से खिलवाड़ का यह धंधा पूरे देश में खूब चल रहा है। दिल्ली में सामने आया नकली पनीर का मामला इसी कड़ी का एक हिस्सा है। निस्संदेह, ये मामले हमारी खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की एक बड़ी कमजोरी को ही उजागर करते हैं। ये विडंबना ही है कि किसी उत्पाद की लागत, उसमें प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं और ग्राहक को इस बाबत दी जाने वाली जानकारी में अकसर विरोधाभास पाया जाता है। देश में एनालॉग पनीर की धड़ल्ले से बिक्री के पीछे भी मुनाफे का प्रलोभन ही है। जिसमें वेजिटेबल फैट,स्टार्च, प्लांट प्रोटीन और गैर डेयरी उत्पादों को मिलाया जाता है। दरअसल, यह पनीर, असली दूध वाले पनीर की तुलना में काफी सस्ता होता है और उत्पादकों के मुनाफे को बढ़ाता है। जानकारों का अनुमान है कि कीमतों का यह अंतर चालीस से पचास फीसदी तक हो सकता है। ऐसे में जब रेस्टोरेंट,कैटरर और खाने-पीने के दूसरे कारोबार कम मुनाफे पर करते हैं तो महंगे पनीर के जगह सस्ता पनीर इस्तेमाल करने का लालच होना एक स्वाभाविक बात है। दरअसल, इसका मतलब यह कतई नहीं है कि हर एनालॉग प्रोडक्ट वास्तव में खाने की दृष्टि से असुरक्षित ही होता है। वास्तव में मुख्य समस्या धोखा देने की है। यदि किसी डेयरी पदार्थों से मुक्त विकल्प की पहचान स्पष्ट तौर पर एनालॉग पनीर के तौर पर की जाती है, तो ग्राहक सोच-समझकर उसको खरीदने के बारे में फैसला स्वतंत्र रूप से ले सकते हैं। लेकिन सबसे बड़ी बात इसको लेकर ईमानदारी न होना है। जब विक्रेता इसे दूध का पनीर बताकर बेचने लगते हैं तो उपभोक्ता निर्णय नहीं ले पाते। ऐसे में असली पनीर वाली पौष्टिकता उन्हें नहीं मिल पाती। निर्विवाद रूप से इस मामले में रेस्टोरेंट सबसे कमजोर कड़ी के रूप में सामने आते हैं। जिनका मुख्य मकसद अपने मुनाफे को प्राथमिकता देना ही होता है। वास्तव में जब भी कोई रेस्टोरेंट अपने किचन में एनालॉग पनीर आदि का इस्तेमाल करना शुरू करता है और उससे कोई व्यंजन बना लेता है तो ग्राहक नहीं समझ पाता है कि असली पनीर है या नकली पनीर है। देश के खाद्य पदार्थों का नियमन करने वाली संस्था एफएसएसएआई ने फूड-सर्विस देने वाले संस्थानों को स्पष्ट निर्देश दे रखे हैं कि वे यह सुनिश्चित करें कि पनीर वाली डिश में एनालॉग पनीर का इस्तेमाल ग्राहकों को सही जानकारी दिए बिना न किया जाए। इस विवाद के चलते देश के कई राज्यों ने कृत्रिम पनीर के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। पंजाब सरकार ने इसके बनाने, संग्रहण करने, ट्रांसपोर्ट करने, बांटने और पनीर के नाम पर बेचने पर एक साल के लिये रोक लगा दी है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि एनालॉग पनीर के खिलाफ छापेमारी और उस पर प्रतिबंध लगाने मात्र से यह समस्या हल नहीं होने वाली है। दरअसल, नियामकों को उन आर्थिक कारणों पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा, जिसकी वजह से असली पनीर की जगह नकली पनीर का इस्तेमाल धड़ल्ले से किया जा रहा है। वास्तव में पनीर की जांच और गुणवत्ता के असली पनीर की उपलब्धता को सुनिश्चित करना जरूरी है। साथ ही तमाम रेस्टोरेंट व होटलों को उन खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के लिये जवाबदेह बनाना होगा, जिन्हें वे खरीदते हैं और ग्राहकों को परोसते हैं।

चिंतन-मनन

ज्ञेय और ज्ञान का संबंध

दर्शन के क्षेत्र में ज्ञान और ज्ञेय की मीमांसा चिरकाल से होती रही है। आदर्शवादी और विज्ञानवादी दर्शन ज्ञेय की स्वतंत्र सत्ता स्वीकार नहीं करते। वे केवल ज्ञान की ही सत्ता को मान्य करते हैं। अनेकांत का मूल आधार यह है कि ज्ञान की भांति ज्ञेय की भी स्वतंत्र सत्ता है। द्रव्य ज्ञान के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञेय है। ज्ञेय चैतन्य के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञान है। ज्ञेय और ज्ञान अन्योन्याश्रित नहीं हैं। ज्ञेय है, इसलिए ज्ञान है और ज्ञान है इसलिए ज्ञेय है, इस प्रकार यदि एक के होने पर दूसरे का होना सिद्ध हो तो ज्ञेय और ज्ञान दोनों की स्वतंत्र सत्ता सिद्ध नहीं हो सकती। द्रव्य का होना ज्ञान पर निर्भर नहीं है और ज्ञान का होना द्रव्य पर निर्भर नहीं है। इसलिए द्रव्य और ज्ञान दोनों स्वतंत्र हैं। ज्ञान के द्वारा द्रव्य जाना जाता है, इसलिए उनमें ज्ञेय और ज्ञान का संबंध है। ज्ञेय अनंत है और ज्ञान भी अनंत है। अनंत को अनंत के द्वारा जाना जा सकता है। जानने का अगला पर्याय है कहना। अनंत को जाना जा सकता है, कहा नहीं जा सकता। कहने की शक्ति बहुत सीमित है। जिसका ज्ञान अनावृत्त होता है, वह भी उतना ही कह सकता है जितना कोई दूसरा कह सकता है। भाषा की क्षमता ही ऐसी है कि उसके द्वारा एक बार में एक साथ एक ही शब्द कहा जा सकता है।

डोनाल्ड ट्रंप के गुरु हैं मोदी?

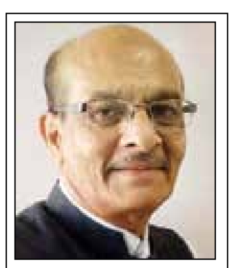

सनत जैन

अमेरिका सहित दुनिया के देशों में मोदी मॉडल की गूंज...

क्या दुनिया की सबसे पुरानी लोकतांत्रिक व्यवस्था अब दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र से चुनाव जीतने के नए-नए तरीके सीख रही है? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण हो गया है, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत की चुनाव व्यवस्था का सार्वजनिक रूप से उल्लेख करते हुए, उसे अमेरिका के लिए उदाहरण के तौर पर पेश किया है। अगस्त में ट्रंप ने भारत के मतदाता पहचान पत्र और नागरिकता सत्यापन व्यवस्था का हवाला देते हुए अमेरिकी चुनावों में कड़े पहचान नियम लागू करने की वकालत की। सीधे यह कहना कि ट्रंप, नरेंद्र मोदी के शिष्य बन गए हैं, ठीक नहीं है, लेकिन जिस तरह से नरेंद्र मोदी को ट्रम्प फॉलो कर रहे हैं, दोनों नेताओं की राजनीति में कुछ दिलचस्प और विचित्र समानताएं जरूर दिखने को मिलती हैं। यही तुलना इस तरह के विचार को बल देती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्षों में एक मजबूत राजनीतिक ब्रांड विश्व गुरु के रूप में भारत सहित सारी दुनिया में अपने आपको पेश किया है। समर्थक उन्हें विश्व मंच पर भारत की प्रभावी आवाज और विश्व गुरु के रूप में पिछले कई वर्षों से प्रस्तुत करते हैं। मोदी को विभिन्न देशों से अनेक सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिले हैं। दुनिया के किसी भी राष्ट्रॉध्यक्ष को इतने कम समय में इतने सम्मान नहीं मिले हैं। किसी नेता की अंतर्राष्ट्रीय लोकप्रियता और उसकी चुनावी रणनीति तथा लंबे समय तक सत्ता में बने रहने को उसकी सफलता से जोड़कर देखा जाता है। ट्रंप की राजनीति का सबसे बड़ा हथियार उनकी सीधी, आक्रामक और जोखिम लेने वाली शैली है। दूसरे कार्यकाल में उन्होंने टैरिफ को आर्थिक और राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। इसके परिणामस्वरूप अमेरिका में महंगाई और आर्थिक दबाव बना। आईएमएफ के अनुसार 2025 में अमेरिकी महंगाई पर टैरिफ का बड़ा असर दिखाई दिया। अमेरिका का सरकारी कर्ज 123.9 प्रतिशत जीडीपी की तुलना पर पहुंच गया। कुछ ऐसी ही स्थिति भारत की है। पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में भारत के ऊपर कर्ज बढ़ता ही जा रहा है। अब असली समानता अर्थव्यवस्था से ज्यादा चुनावी राजनीति में दिखाई देने लगी है। भारत की चुनावी राजनीति में मतदाता पहचान, नागरिकता, मतदाता सूची और सत्यापन जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। भारत में चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। पिछले वर्षों में चुनाव आयोग को लेकर बहुत सारे मामले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट भी गए हैं। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप इन्हीं मुद्दों को अमेरिकी में लाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने भारत की चुनाव व्यवस्था का उदाहरण देते हुए सेव एक्ट के समर्थन में नागरिकता प्रमाण और फोटो आईडी जैसी शर्तों की वकालत अमेरिका में शुरू कर दी है। भारत की एसआईआर और अमेरिका में प्रस्तावित चुनावी नियमों को समान बताना सही नहीं होगा। दोनों देशों की चुनाव व्यवस्था, संघीय ढांचा और मतदाता पंजीकरण प्रणाली अलग है। इसके बाद भी ट्रंप भारत की व्यवस्था को अमेरिका में लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। अब आते हैं, सबसे दिलचस्प मुद्दे रेवड़ी या चुनाव के पहले मतदाताओं को आर्थिक सहायता देकर अपने पक्ष में करना। 9 सितंबर 2026 को ट्रंप ने घोषणा की है, यदि रिपब्लिकन पार्टी प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों में बहुमत बनाए रखती है। तो अमेरिकी वयस्क नागरिकों को 5,000 डॉलर का डिविडेंड दिया जाएगा। इसका संभावित खर्च एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक होगा। भारत में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कथित तौर पर 15 लाख रुपये चुनाव जीतने पर देने का वादा किया गया था, जिसे बाद में चुनावी जुमला करार दिया गया। चुनाव के पहले भारत में इस तरह की घोषणा पिछले कई चुनाव में देखने को मिल रही हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी चुनावी सभाओं में इसे फ्री की रेवड़ी कहते थे। चुनाव के ठीक पहले अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी यही रास्ता अखत्यार किया है। यहीं से वर्तमान राजनीति के नए समीकरण शुरू होते हैं। बड़ी संख्या में मतदाताओं को नगद राशि देकर अपने पक्ष में मतदान कराकर चुनाव जीतना। पहले नेता की छवि, राजनीतिक दल की विचारधारा, राष्ट्रवाद, आम जनता के लिए घोषणा पत्र, जिसमें सरकार किस तरह से काम करेगी इसका उल्लेख होता था। विपक्षी पार्टी के खिलाफ प्रचार कर उनकी स्थिति को कमजोर करना चुनाव लड़ने का माध्यम होता था। पिछले एक दशक में सारी दुनिया के देशों में राजनीति की दिशा और दशा बदली है। जो सत्ता में काबिज है वह सत्ता छोड़ना नहीं चाहता है। चीन, अमेरिका, इजराइल एवं अन्य लोकतांत्रिक देशों के शासक अपना पद छोड़ना नहीं चाहते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कहा था वह तीसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनना चाहते हैं। क्या यह मोदी मॉडल है? कहना जल्दबाजी होगी। इतना जरूर कहा जा सकता है, जिस तरह भारतीय राजनीति में नेतृत्व की व्यक्तिगत छवि, अधिकारों का केंद्रीकरण, जनसंपर्क, राष्ट्रहित, धार्मिक ध्रुवीकरण, फ्री की रेवड़ी जैसी योजनाएं चुनावी रणनीति का हिस्सा हैं, वैसी ही प्रवृत्तियां अमेरिकी राजनीति में भी दिखाई दे रही हैं। असली सवाल यह नहीं है, मोदी ट्रंप के गुरु हैं या नहीं। असली सवाल यह है, क्या दुनिया की लोकतांत्रिक राजनीति अब एक-दूसरे देश से चुनाव जीतने की तकनीक सीख रही है? ट्रंप भारत से सबक ले रहे हैं, तो यह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकतांत्रिक शक्ति की उपलब्धि मानना होगा। लोकतंत्र की सफलता केवल चुनाव जीतने में नहीं, बल्कि निष्पक्ष मतदाता सूची, स्वतंत्र संस्थाओं, पारदर्शी चुनाव, मजबूत अर्थव्यवस्था और नागरिक अधिकारों की रक्षा से होती है। इस दृष्टि से भविष्य में सवाल पूछेगा, पहले भारत व्यवस्था में अमेरिका से प्रेरणा लेता था, अब समय बदला है। अमेरिका जैसा विकसित राष्ट्र भारत से चुनावी राजनीति सीख रहा है? अगर ऐसा है, तो इसे भारत की बड़ी वैश्विक उपलब्धि माना जाएगा। जिस तरह की शासन व्यवस्था विकसित हो रही है उसमें लोकतांत्रिक व्यवस्था और नागरिक अधिकार धीरे-धीरे खत्म हो रहे हैं, पूंजीवादी व्यवस्था का निर्माण हो रहा है। इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

बिहार में बाढ़ की बड़ी चुनौती के बीच राहत का सहारा

कांतिलाल मांडोत

नदियों के उफान से लाखों प्रभावित, प्रशासन ने भोजन से लेकर नाव और चिकित्सा तक बढ़ाई व्यवस्था...

बिहार इस समय बाढ़ की गंभीर चुनौती से गुजर रहा है। राज्य की प्रमुख नदियों गंगा, कोसी और गंडक के जलस्तर ने कई जिलों में जनजीवन को प्रभावित किया है। 14 जिलों के 82 से अधिक प्रखंडों और सैकड़ों ग्राम पंचायतों में लाखों लोग बाढ़ की चपेट में हैं। कहीं घरों में पानी घुस गया है तो कहीं गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से टूट गया है। खेतों में पानी भरने से खेती प्रभावित हुई है और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे समय में सबसे बड़ी चुनौती बाढ़ के पानी के बीच प्रभावित परिवारों तक भोजन, पीने का पानी, दवाइयां और सुरक्षित आवागमन की सुविधा पहुंचाना है।

बाढ़ की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राज्य के करीब 40 लाख से अधिक लोग इसके प्रभाव में बताए जा रहे हैं। पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया और अरवल जैसे जिलों में बाढ़ का असर व्यापक है। कई स्थानों पर पानी गांवों के भीतर तक पहुंच गया है। निचले इलाकों में रहने वाले परिवारों के लिए सुरक्षित स्थान तक पहुंचना आसान नहीं है। सड़कों और संपर्क मार्गों पर पानी आने के कारण नाव ही कई जगहों पर आवागमन का प्रमुख साधन बनी हुई है।

हालांकि बाढ़ की स्थिति एक जैसी नहीं है। कोसी और सोन के जलस्तर में कमी आने से कुछ इलाकों में राहत की उम्मीद बनी है। गंडक के जलस्राव में भी स्थिरता दिखाई दे रही है। लेकिन गंगा का जलस्तर अब भी चिंता का कारण बना हुआ है। भागलपुर के सुल्तानगंज में गंगा का जलस्तर 36.80 मीटर दर्ज किया गया, जो वर्ष 2021 में दर्ज किए गए पिछले उच्चतम बाढ़ स्तर से थोड़ा ऊपर है। ऐसे में नदी किनारे बसे गांवों और निचले क्षेत्रों में प्रशासन को लगातार निगरानी रखनी पड़ रही है। बाढ़ का पानी घटने की स्थिति में भी खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं माना जा सकता, क्योंकि बारिश और ऊपरी क्षेत्रों से आने वाले पानी के कारण जलस्तर में दोबारा वृद्धि हो सकती है। बाढ़ के दौरान सबसे महत्वपूर्ण सवाल प्रभावित लोगों के भोजन का होता है। जिन परिवारों के घर पानी से घिर जाते हैं, उनके लिए घर में रखा अनाज और खाना पकाने की व्यवस्था लंबे समय तक बनाए रखना मुश्किल होता है। इसे ध्यान में रखते हुए राज्य में सैकड़ों सामुदायिक रसोइयां संचालित की जा रही हैं। इन रसोइयों के माध्यम से लाखों लोगों को सुबह और शाम भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। यह व्यवस्था केवल भोजन पहुंचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि बाढ़ में फंसे परिवारों के लिए जीवन की सबसे जरूरी जरूरत पूरी करने का माध्यम बनी हुई है। राहत शिविरों में बच्चों के लिए दूध की व्यवस्था और महिलाओं के लिए आवश्यक स्वच्छता सामग्री उपलब्ध कराने की पहल भी महत्वपूर्ण है। बाढ़ पीड़ितों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के साथ उनके अस्थायी रहने की व्यवस्था भी प्रशासन के सामने बड़ी जिम्मेदारी है। राहत शिविरों में हजारों लोगों के रहने, भोजन और उपचार की व्यवस्था की गई है। जिन परिवारों के मकान पानी से घिर गए हैं या जिनके घरों में रहना सुरक्षित नहीं है, उनके लिए ऐसे शिविर अस्थायी आश्रय का काम कर रहे हैं। इन शिविरों में साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय और स्वास्थ्य सुविधाओं पर विशेष ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि लंबे समय तक बाढ़ का पानी रहने से बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बाढ़ के बाद सबसे अधिक चिंता बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों को लेकर होती है। सामान्य परिस्थितियों में अस्पताल तक पहुंचना आसान होता है, लेकिन पानी से घिरे गांवों में यह काम कठिन हो जाता है। इसी वजह से प्रभावित इलाकों में चिकित्सा शिविर लगाए गए हैं और नावों के माध्यम से भी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। नाव से चलने वाली चिकित्सकीय व्यवस्था उन क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जहां सड़क संपर्क बाधित हो चुका है। दवाइयों की उपलब्धता के साथ चिकित्सकीय दलों की नियमित मौजूदगी बाढ़ पीड़ितों को बड़ी राहत दे सकती है।

प्रशासन की ओर से प्रभावित परिवारों को तिरपाल और सूखा राशन भी उपलब्ध कराया जा रहा है। एक लाख से अधिक तिरपाल और हजारों सूखा राशन पैकेट वितरित किए जाने की जानकारी है। जिन परिवारों के घरों में पानी घुस गया है, उनके लिए तिरपाल तत्काल आश्रय उपलब्ध कराने में मददगार हैं। वहीं सूखा राशन उन क्षेत्रों में जरूरी है जहां सामान्य भोजन सामग्री पहुंचाना कठिन हो रहा है। बाढ़ केवल मनुष्य ही नहीं, पशुधन को भी प्रभावित करती है। ग्रामीण परिवारों के लिए पशु उनकी आजीविका का महत्वपूर्ण आधार होते हैं। इसलिए हजारों क्विंटल पशुचारा वितरित किया जाना राहत कार्य का जरूरी हिस्सा है। आवागमन की समस्या से निपटने के लिए बड़ी संख्या में नावों का संचालन किया जा रहा है। बाढ़ के समय नाव केवल यातायात का साधन नहीं रहती, बल्कि भोजन, दवा और राहत सामग्री पहुंचाने से लेकर लोगों को सुरक्षित स्थानों तक निकालने का महत्वपूर्ण माध्यम बन जाती है। प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्य के लिए राज्य आपदा मोचन बल और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीमें भी तैनात की गई हैं। इन दलों की मौजूदगी किसी आकस्मिक स्थिति में तेजी से बचाव अभियान चलाने के लिए जरूरी है। खासकर रात के समय या अचानक जलस्तर बढ़ने की स्थिति में प्रशिक्षित बचाव दलों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। बाढ़ के दौरान अंतिम संस्कार जैसी मानवीय और सामाजिक जरूरतें भी प्रभावित होती हैं। नदी किनारे बने अनेक श्मशान घाट पानी में डूब जाने से परिवारों के सामने कठिन परिस्थितियां पैदा हो गई हैं। ऐसी स्थिति में प्रशासन को प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने तथा आवश्यक सहयोग देने की व्यवस्था करनी चाहिए। संकट की घड़ी में सम्मानजनक अंतिम संस्कार की सुविधा भी राहत कार्य का अभिन्न हिस्सा है। बिहार में इस वर्ष बारिश का कुल आंकड़ा सामान्य से कम रहा है, लेकिन सितंबर में वर्षा सामान्य से अधिक दर्ज की गई है। यही असमान वर्षा बाढ़ की स्थिति को जटिल बना रही है। आने वाले दिनों में भी कुछ क्षेत्रों में बारिश की संभावना है, इसलिए नदी किनारे बसे लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। प्रशासन के लिए भी चुनौती यही है कि राहत व्यवस्था केवल वर्तमान स्थिति तक सीमित न रहे, बल्कि अगले कुछ दिनों की संभावित बारिश और जलस्तर को ध्यान में रखकर पहले से तैयारी रखी जाए। बाढ़ के बीच सबसे बड़ी उम्मीद राहत और बचाव व्यवस्था की मजबूती से जुड़ी है। सामुदायिक रसोइयों से भोजन, राहत शिविरों में आश्रय, नावों से आवागमन, चिकित्सा शिविरों से उपचार, बच्चों के लिए दूध, महिलाओं के लिए जरूरी सामग्री और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था यह बताती है कि संकट के समय राहत तंत्र को कई स्तरों पर काम करना पड़ता है।

असली आज़ादी

संक्षिप्त समाचार

मदद से पीछे हटे अमेरिका जैसे देश, ट्रंप के फैसले से राहत कार्यों को लगा बड़ा झटका

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में अगस्त के अंत में ग्लेशियर टूटने से आई सदी की सबसे भीषण बाढ़ और भूस्खलन के दो हफ्ते बाद भी राहत कार्यों में भारी लाचारी देखने को मिल रही है। नेपाल और पड़ोसी तिब्बत में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 5,000 लोग अब भी लापता हैं। इस मानवीय संकट के बीच अमेरिकी विदेशी सहायता एजेंसी यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) का पूरी तरह गायब रहना राहत और बचाव कार्यों पर भारी पड़ रहा है। ट्रंप प्रशासन ने पिछले साल की शुरुआत में यूएसएआईडी को बंद कर दिया था सीधा असर अब जमीन पर दिख रहा है। नेपाल में अमेरिकी फंड से चलने वाले कई गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) को अपने कार्यक्रम बंद करने पड़े थे, जिससे अचानक आई इस आपदा के समय वे त्वरित राहत सामग्री और संसाधन उपलब्ध कराने में असमर्थ साबित हो रहे हैं। भारत ने बुधवार को विनाशकारी बाढ़ की मार झेल रहे नेपाल के लिए मानवीय सहायता की 7वीं खेप भेजी। भारतीय वायुसेना के विशेष सी-17 परिवहन विमान के जरिये 35 टन सामान और उपकरण भेजे गए हैं। भारत लगातार बाढ़ प्रभावित नेपाल को राहत सामग्री और आवश्यक दवाएं भेज रहा है। 2015 का भूकंप : भूकंप के 48 घंटे के भीतर अमेरिका ने 128 सदस्यीय विशेषज्ञ आपदा प्रतिक्रिया दल भेजा था और तुरंत 1 करोड़ डॉलर की मानवीय मदद का ऐलान किया था।

ईरान युद्ध का असर: ट्रंप बोले– चुनाव के बाद ही गिरेंगे तेल के दाम; रिपब्लिकन खेमे की क्यों बढ़ी चिंता

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरान युद्ध की वजह से बढ़े तेल के दाम जल्द नीचे आने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि तेल की कीमतों में गिरावट अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के बाद ही शुरू हो सकती है। बुधवार को तेल की कीमतों में 3 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। जुलाई के बाद पहली बार ऐसा हुआ है। इस्राइल और अमेरिका की ओर से ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध के बीच दोनों तरफ से हमले तेज हुए हैं। ट्रंप ने कहा, चुनाव के तुरंत बाद तेल की कीमतें तेजी से नीचे आएंगी। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि इसमें मध्यावधि चुनाव से थोड़ा ज्यादा समय लग सकता है। ट्रंप यह बात डलास जाने से पहले पत्रकारों से बातचीत में कह रहे थे। वे वहां मध्यावधि चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के सम्मेलन में जाने वाले थे।

फिलहाल शामिल होने का फैसला टाल सकता है बांग्लादेश, रणनीतिक शर्तों पर अटकी बात

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान के मक्का रक्षा गठबंधन में शामिल होने का दरवाजा खुला रखा है। हालांकि सैन्य शर्तों और जिम्मेदारियों का पूरा खाका सामने आने तक वह अंतिम फैसला टालने के मूड में दिखाई दे रहा है। इसके तहत किसी एक सदस्य पर हमला बाकी सदस्यों के खिलाफ भी हमला माना जाएगा। बांग्लादेशी रणनीतिक हलकों में सवाल है कि किसी सदस्य पर हमले की स्थिति में ढाका की सैन्य प्रतिबद्धता किस सीमा तक होगी। रिटायर्ड मेजर जनरल फजले इलाही अकबर ने अखबार प्रोथोम आलो में कहा कि सदस्यता पर फैसला लेने से पहले समझौते की हर शर्त और धारा की गहन जांच होनी चाहिए। साथ ही संसद, राजनीतिक दलों और अन्य हितधारकों से व्यापक मशविरा होना चाहिए। विदेश राज्य मंत्री शमा ओबेद ने कहा कि ढाका स्थिति का आकलन कर रहा है और किसी भी फैसले में राष्ट्रीय हित प्राथमिकता होगी। विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने पहले कोई जोखिम न दिखने की बात कही थी। विदेश मंत्री खलीलुर रहमान संसद में कह चुके हैं कि अगर मौजूदा सदस्य बांग्लादेश को शामिल करना चाहें तो ढाका प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार करेगा। जहां एक तरफ इसके समर्थक इसे सैन्य क्षमता मजबूत करने का अवसर मानते हैं। वहीं पूर्व राजनयिक एम. हुमायूं कबीर ने चेताया है कि इस गठबंधन में शामिल होना बांग्लादेश की पांच दशक पुरानी संतुलित और गैर-गुटीय विदेश नीति में बदलाव होगा। सबसे संवेदनशील पहलू पाकिस्तान है। सदस्यता लेना सीधे द्विपक्षीय सैन्य गठबंधन में शामिल होना नहीं होगा, लेकिन दोनों देशों की सेनाओं और सुरक्षा प्रतिष्ठानों के बीच सहयोग बढ़ सकता है। इससे ढाका की विदेश नीति पर सवाल खड़े हो सकते हैं।

अमेरिका में भारतीय दंपती की दरियादिली: एआई को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज को दिए 191 करोड़, आंध्र से है कनेक्शन

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के एक दंपती ने टेक्सास में अपनी पुरानी यूनिवर्सिटी अल्मा मेटर को 20 मिलियन डॉलर का दान दिया है। इससे संस्थान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एडवांस्ड एनालिटिक्स की पढ़ाई को बढ़ावा मिलेगा और 'अमेरिकन ड्रीम' को साकार करने में अप्रवासियों के योगदान को भी रेखांकित किया जाएगा। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अनुराधा और विकास सिन्हा ने यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास को 20 मिलियन डॉलर यानी कि भारतीय रुपयों में 191 करोड़ से ज्यादा का दान दिया है।

अनुराधा और विकास सिन्हा के नाम पर बनेगा नया कॉलेज

इस तोहफे के सम्मान में, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास 'अनुराधा और विकास सिन्हा कॉलेज ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड एडवांस्ड एनालिटिक्स' की स्थापना करेगा। यह कॉलेज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटेलिजेंट सिस्टम और डेटा एनालिटिक्स पर केंद्रित एक एकेडमिक और रिसर्च हब के तौर पर काम करेगा। यह एआई, साइबर सिक्योरिटी, डेटा साइंस, एडवांस्ड एनालिटिक्स, हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स, इंफॉर्मेशन साइंस, लाइब्रेरी साइंस और लर्निंग टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता को एक साथ लाएगा।

यूएनटी से सिन्हा परिवार का पुराना जुड़ाव : यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास में सिन्हा परिवार का निवेश यूनिवर्सिटी के साथ उनके

जुड़ाव के साथ-साथ बढ़ता गया है। 2024 में, उन्होंने 'अनुराधा और विकास सिन्हा डिपार्टमेंट ऑफ डेटा साइंस' की स्थापना के लिए तोहफा दिया, साथ ही स्कॉलरशिप, फैकल्टी, रिसर्च और विशेष पहलों को सपोर्ट करने के लिए एंडोमेंट भी दिए। एक साल बाद, उन्होंने एक और बड़ा तोहफा दिया और 'सिन्हा इनोवेशन लैब फॉर डेटा साइंस' की स्थापना की।

'शिक्षा ने हमारे लिए दरवाजे खोले हैं' : दान के बाद मीडिया से बात करते विकास सिन्हा ने कहा, 'शिक्षा ने हमारे जीवन भर हमारे लिए दरवाजे खोले हैं, और हम दूसरों के लिए भी उन दरवाजों को खुला रखना चाहते हैं।' यही एक बड़ी वजह है कि अनु और मुझे इस बात पर इतना पक्का भरोसा है कि यूएनटी छात्रों के लिए क्या कुछ मुमकिन बना सकता है, जिसमें वे छात्र भी शामिल हैं जो शायद किसी दूसरे देश से वही महत्वाकांक्षा और शिक्षा में वही विश्वास लेकर यहां आते हैं, जो कभी हमारे पास हुआ करता था।' हमारे लिए, यह तोहफा उस अवसर को आगे बढ़ाने और यह मानने के बारे में है कि अप्रवासी सिर्फ 'अमेरिकन ड्रीम' में हिस्सा ही नहीं लेते, वे इसे बनाने में मदद भी करते हैं।'

एआई के भविष्य को आकार देने वालों को तैयार करेगा यूएनटी : उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारी पीढ़ी की अहम टेक्नोलॉजी में से एक होगी, और इसके भविष्य को आकार देने वाले लोगों को तैयार करने में यूनिवर्सिटी की अहम भूमिका है। यूएनटी के विजन के बारे में जो बात हमें उत्साहित करती है, वह यह है कि यह छात्रों को सिर्फ एआई का इस्तेमाल करना सिखाने से कहीं आगे जाएगा। यह उन्हें इंटेलिजेंट सिस्टम बनाने, समझने, उन पर सवाल उठाने, उन्हें चलाने और जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने के लिए तैयार करेगा। इससे इंटेलिजेंट सिस्टम बनाने वाले और उनकी देखभाल करने वाले, दोनों तरह के लोग तैयार होंगे।

छह स्थायी फंड बनाए जाएंगे : 20 मिलियन डॉलर का यह दान छह स्थायी फंड (एंडोमेंट) बनाएगा, जो कॉलेज की लीडरशिप, छात्रों की स्कॉलरशिप, एंडोव्ड प्रोफेसरशिप, एंटरप्रेन्योरशिप और इनक्यूबेशन, एडवांस्ड रिसर्च और नई टेक्नोलॉजी को सपोर्ट करेंगे।

दो एकेडमिक डिवीजन में बांटा जाएगा कॉलेज : कॉलेज को दो एकेडमिक डिवीजन में बांटा जाएगा: 'डिवीजन ऑफ एप्लाइड इंटेलिजेंस एंड इंफॉर्मेटिक्स', जो इंटेलिजेंट सिस्टम बनाने और उन्हें लागू करने पर केंद्रित होगा; और 'डिवीजन ऑफ इंफॉर्मेशन एंड लर्निंग एप्लीकेशन', जो इस बात पर केंद्रित होगा कि जानकारी और इंटेलिजेंट सिस्टम इंसानी और संस्थागत संदर्भों में कैसे काम करते हैं।

एआई और डेटा साइंस रिसर्च को मिलेगा बढ़ावा : बयान में कहा गया है कि कॉलेज में 'एप्लाइड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस इंस्टीट्यूट' भी होगा, जो यूएनटी में एआई और एनालिटिक्स रिसर्च और एजुकेशन को जोड़ेगा और इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च, साझा इंफ्रास्ट्रक्चर, बाहरी रिसर्च फंडिंग और इंडस्ट्री पार्टनरशिप के लिए मौके पैदा करेगा।

आंध्र प्रदेश से अमेरिका तक का सफर : आंध्र प्रदेश के कुरनूल में श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी और जी पुल्ला रेड्डी इंजीनियरिंग कॉलेज में सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद, विकास और अनुराधा आगे की पढ़ाई के लिए अमेरिका आए और फ्लोरिडा अटलांटिक यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट डिग्री हासिल की। बाद में विकास ने नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी में अपनी पढ़ाई जारी रखी और 2023 में यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास से पीएचडी पूरी की। विकास अभी ब्रॉडकॉम में मेनफ्रेम सॉफ्टवेयर डिवीजन के वाइस प्रेसिडेंट हैं।

भारतीय कंपनियों ने डेटा चुराया: अमेरिकी सीनेटरों ने की ब्लैक लिस्ट में डालने की मांग, क्या है पूरा मामला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेटरों ने ट्रंप प्रशासन को पत्र लिखकर भारत की तीन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। डेमोक्रेटिक सीनेटर रॉन वाइडेन और शेल्डन व्हाइटहाउस तथा रिपब्लिकन पैट हैरिगन ने कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लटनिक से सनकिस्ड ऑर्गेनिक प्राइवेट लिमिटेड, बेलट्रॉक्स लिमिटेड और साइबररूट लिमिटेड के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि इन कंपनियों ने हजारों अमेरिकियों और अमेरिकी कंपनियों का डेटा हैक करके चुराया।

15 साल से अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप : वाइडेन, हैरिगन और व्हाइटहाउस ने लटनिक को लिखे पत्र में कहा,'भारत स्थित कई साइबर-मर्सिनरी ग्रुप (किराये के साइबर हैकर ग्रुप) 15 से अधिक वर्षों से अमेरिकी नागरिकों, व्यवसायों और उनका प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों के खिलाफ टारगेटेड जासूसी कर रहे हैं।' सीनेटरों ने कहा कि रॉयटर्स और द सिटिज़न लैब की जांच के अनुसार, इन कंपनियों ने चल रहे मुकदमों को प्रभावित करने के लिए प्राइवेट इक्विटी फर्मों, फार्मास्युटिकल कंपनियों और प्रमुख अमेरिकी लॉ फर्मों के 1,000 से अधिक वकीलों को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर हैकिंग अभियान चलाए।

कतर सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप : उन्होंने कहा कि इस बात के सबूत हैं कि ये समूह कतर सरकार के इशारे पर काम करते थे। वर्ल्ड कप बोली के विरोधियों और हाउस परमानेंट सेलेक्ट कमिटी ऑन इंटेलिजेंस के पूर्व रिपब्लिकन चेयरमैन के परिवार को भी निशाना बनाया। सीनेटरों ने कहा,'इस सुरक्षा खतरे को और बढ़ाते हुए, इन साइबर मर्सिनरी और उनके सहयोगियों ने प्रमुख अमेरिकी मीडिया संगठनों की खोजी रिपोर्टिंग को सेंसर करने के लिए ग्लोबल लॉफेयर का आक्रामक अभियान चलाया है।' यह समन्वित प्रयास विदेशी संस्थाओं को विदेशी अदालतों का उपयोग करके अमेरिकी जनता को उनके अपने देश के लिए साइबर खतरों के बारे में अंधेरे में रखने की अनुमति देता है और अमेरिकी नागरिकों के मौलिक संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करता है। सीनेटरों ने आरोप लगाया कि इन्हीं कंपनियों ने विदेशी अदालतों का दुरुपयोग करके अपने हैकिंग अभियानों के बारे में हो रही रिपोर्टिंग को सेंसर करने की भी कोशिश की। उन्होंने कहा कि अपनी आलोचना को दबाने और अपने अवैध हैकिंग अभियानों से जुड़े तथ्यों को छिपाने के लिए इन भारतीय कंपनियों ने गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट और द न्यू यॉर्कर सहित अमेरिकी टेक्नोलॉजी और मीडिया कंपनियों के खिलाफ मुकदमे दायर कर रखे हैं।

फिलीपींस में समंदर के बीच नाव बनी आग का गोला: पांच यात्रियों की मौत और 87 लापता

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में बुधवार को एक यात्री फेरी में अचानक आग लग गई। हादसा देश के पश्चिमी हिस्से में समुद्र में हुआ। आग लगने के बाद बड़ी संख्या में लोग लापता हो गए। फिलीपींस कोस्ट गार्ड के मुताबिक, हादसे में अब तक कम से कम पांच लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 42 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है। बचाव अभियान अभी जारी है, इसलिए लापता लोगों की संख्या आगे बदल सकती है। फिलीपींस कोस्ट गार्ड की प्रवक्ता कमोडोर नोएमी कायाबायब ने बताया कि फेरी पर कुल 134 लोग सवार थे। इनमें 117 यात्री और 17 चालक दल के सदस्य शामिल थे। आग लगने के बाद कई लोगों का पता नहीं चल पाया। अधिकारियों की ओर से फिलहाल 87 लोगों के लापता होने की जानकारी दी गई है, लेकिन बचाव और तलाश का अभियान जारी रहने के कारण यह आंकड़ा बदल सकता है। एमवी जून एस्टर मनीला से रवाना हुई थी। जब फेरी पलावन प्रांत में कोरोन के पास समुद्र में थी, उसी दौरान बुधवार को उसमें आग लग गई। आग लगने के बाद फेरी पर सवार लोगों के बीच अफरातफरी की स्थिति बनी। हादसे की जगह पश्चिमी फिलीपींस के समुद्री क्षेत्र में बताई गई है। उपलब्ध जानकारी में आग लगने की वजह के बारे में कोई कारण नहीं बताया गया है। कोस्ट गार्ड के मुताबिक, अब तक 42 लोगों को बचाया जा चुका है, जबकि 87 लोग लापता हैं। हालांकि, अधिकारियों ने साफ किया है कि यह अंतिम आंकड़ा नहीं है। कोस्ट गार्ड की टीमें लगातार बचाव अभियान चला रही हैं और लोगों की तलाश की जा रही है। घटनास्थल की तस्वीरों में कोस्ट गार्ड के जवान बचे हुए लोगों को लाइफ जैकेट फेंकते हुए दिखाई दिए, जबकि पीछे फेरी जल रही थी। छोटी नावों के जरिए भी बचे हुए लोगों को कम गहरे पानी तक लाया गया। फिलीपींस के द्वीपसमूह में फेरी परिवहन का एक आम जरिया है। तूफ़ान, खराब रखरखाव वाली नावें, क्षमता से ज़्यादा लोगों का सवार होना और सुरक्षा नियमों का ठीक से पालन न होना जैसी वजहों से समुद्री दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

'कॉकरोच बन जाऊं, शायद जिंदगी बेहतर हो': विजय माल्या का बयान; भगोड़ा कहे जाने पर अब क्या बोले

लंदन, एजेंसी। भगोड़े आर्थिक अपराधी घोषित किए जा चुके कारोबारी विजय माल्या ने एक बार फिर भारत सरकार पर अपने साथ अन्याय करने का आरोप लगाया है। लंदन में रह रहे माल्या ने बुधवार देर रात सोशल मीडिया पर लगातार कई पोस्ट किए। उन्होंने कहा कि उन्हें अब भी अन्याय का सामना करना पड़ रहा है। इसी दौरान उन्होंने लिखा, 'जितने अन्याय मैंने झेले हैं और अब भी झेल रहा हूं, उसे देखते हुए सोचता हूं कि क्या मुझे कॉकरोच बन जाना चाहिए। शायद कॉकरोच की तरफ जिंदगी बेहतर हो।'

14,000 करोड़ की रिकवरी को लेकर माल्या का क्या दावा : विजय माल्या ने प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की ओर से बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल एक हलफनामे का हवाला दिया। उनका दावा है कि ईडी ने इसमें स्वीकार

किया था कि उनसे करीब 14,000 करोड़ से ज्यादा की रकम बरामद की गई और 2021 में यह रकम उन बैंकों को दी गई, जिनका पैसा उनके ऊपर बकाया था। विजय माल्या ने कहा कि अगर लोगों को उनकी बात पर भरोसा नहीं है तो वे उनके बयान के बजाय ईडी के अदालत में दिए हलफनामे को देखें। उन्होंने लिखा कि हलफनामे में 2021 में बैंकों को 14,000 करोड़ से ज्यादा दिए जाने की बात कही गई है।

भारत लौटने को लेकर माल्या ने क्या सफाई दी : इससे पहले विजय माल्या ने कहा था कि वह भारत आने से इनकार करने वाले 'भगोड़े' नहीं हैं। उनका दावा है कि वह 1992 से ब्रिटेन के स्थायी निवासी हैं और फिलहाल कानूनी तौर पर ब्रिटेन छोड़ने से रोके गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की ओर से उनके खिलाफ की गई कार्रवाई के बाद यह पूरा मामला शुरू हुआ। विजय माल्या ने यह भी कहा कि बैंक को पैसा वापस किया जाना उनकी भारत में शारीरिक मौजूदगी पर निर्भर नहीं है। विजय माल्या ने अपनी पोस्ट में एक कथित अकाउंट स्टेटमेंट की तालिका भी साझा की और खुद को गलत तरीके से भगोड़ा बताए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि क्या उन्हें अब भी उसी तरह पेश किया जाना चाहिए, जबकि उनके मुताबिक बैंकों का पैसा वापस किया जा चुका है। उन्होंने मीडिया कवरेज पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि किसी पत्रकार की खबर की शुरुआत में ही उन्हें 'धोखाधड़ी करने वाला' या 'फ्रॉडस्टर' बताने के बजाय यह पूछा जाना चाहिए कि उन्हें अपना पैसा वापस कब मिलेगा। अक्टूबर 2025 में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में बताया था कि भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत कुल 15 लोगों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया है। इनमें विजय माल्या और नीरव मोदी समेत कई चर्चित नाम शामिल हैं। वहीं, फरवरी 2026 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने माल्या को फटकार लगाते हुए कहा था कि वह जानबूझकर अदालत की कार्यवाही से बचते हुए समानता के आधार पर राहत की मांग नहीं कर सकते। शीर्ष अदालत ने उन्हें यह स्पष्ट करने का अंतिम मौका दिया था ।

एंथ्रोपिक-ओपनएआई के रिसर्चर ने दिया इस्तीफा, जनता को किया आगाह

वाशिंगटन, एजेंसी। एंथ्रोपिक और ओपनएआई में तीन साल तक मुख्य एआई मॉडल बनाने वाले 27 वर्षीय रिसर्चर जैकब कॉक्सन ने इस्तीफा दे दिया है। 8 सितंबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की गई एक पोस्ट में उन्होंने चेतावनी दी कि दोनों कंपनियां सुपरइंटेलिजेंस बनाने की अंधी दौड़ में 'हमारे जीवन के साथ जुआ खेल रही' हैं। कॉक्सन ने चेतावनी दी है कि एआई के विकास में शामिल कई अंदरूनी सूत्र मानते हैं कि इस दशक के अंत तक यह मानवता के लिए घातक साबित हो सकता है। उन्होंने इस स्थिति की तुलना मैनहट्टन प्रोजेक्ट से करते हुए कहा कि सैन फ्रांसिस्को के कुछ इंजीनियर्स के हाथों में दुनिया की सबसे खतरनाक तकनीक का भविष्य तय हो रहा है। इस इस्तीफे ने पूरी दुनिया में एआई सुरक्षा और टेक

कंपनियों की पारदर्शिता पर एक नई बहस छेड़ दी है। कॉक्सन के मुताबिक, भले ही एंथ्रोपिक की सेफ्टी टीमें ईमानदारी से काम करना चाहती हैं, लेकिन बाजार की कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण सुरक्षा से जुड़े समझौतों से बचना नामुमकिन हो गया है। दोनों कंपनियों को लगता है कि अगर वे नहीं रुकीं, तो उनका प्रतिद्वंद्वी आगे निकल जाएगा। कॉक्सन ने चेतावनी दी कि एआई जिस रफ्तार से आगे बढ़ रहा है, उससे अगले साल के अंत तक ही ऐसी स्थितियां बन सकती हैं जहां एआई सिस्टम इंसानों के नियंत्रण से पूरी तरह बाहर हो जाएं।

कॉक्सन ने दोनों कंपनियों पर आरोप लगाया कि वे एआई की बेकाबू रफ्तार से जुड़े अपने असली डर को आम जनता से छुपा रही हैं। कॉक्सन का कहना है कि एआई कंपनियां खुद को बेहतर बनाने वाली सुपरइंटेलिजेंस तक जल्दी पहुंचना चाहती हैं। उन्होंने चिंता जताई कि अगर कोई कंपनी पीछे रह गई, तो दूसरी कंपनी पहले ऐसी तकनीक विकसित कर सकती है। इसी डर के कारण कंपनियां जोखिम के बावजूद्द आगे बढ़ रही हैं।

350 से अधिक टेक दिग्गज बता चुके हैं महामारी और परमाणु युद्ध जैसा खतरा : ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन, गूगल डीपमाइंड के सीईओ डेमिस हसाबिस और एंथ्रोपिक लीईओ डारियो अमोदेई सहित दुनिया के 350 से अधिक शीर्ष टेक लीडर्स ने कहा है एआई के जोखिम को कम करना एक वैश्विक प्राथमिकता होनी चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे महामारी और परमाणु युद्ध जैसी अन्य सामाजिक स्तर की आपदाओं से निपटने को प्राथमिकता दी जाती है। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स का कहना है कि एआई तकनीक का इस्तेमाल अपराधी या आतंकवादी खतरनाक वायरस या कंप्यूटर वायरस बनाने के लिए कर सकते हैं, जिससे पूरी दुनिया में भारी उथल-पुथल मच सकती है।

कॉक्सन ने कहा कि तकनीक की दौड़ को रोकने के लिए एआई मॉडल की क्षमताएं बढ़ाने पर अस्थायी रोक जैसे कड़े कदमों पर विचार किया जाना चाहिए।

धमाकों से दहले सऊदी और ईरान: पश्चिम एशिया में फिर बढ़ रहा तनाव, डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कब खत्म होगा युद्ध

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सरकारी प्रसारक 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग' के अनुसार, सिरिक और मिनाब काउंटी के तटीय इलाकों में बुधवार को लगातार कई धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। इन घटनाओं को लेकर होर्मोजगान प्रशासन ने बताया कि केशम में सुनी गई आवाजों का स्रोत समुद्र में पाया गया है। वहीं, आईआरआईबी ने अरब मीडिया के हवाले से बताया कि सऊदी अरब के किंग फहद एयर बेस पर भी कई धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इसके अलावा, ईरानी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने खबर दी कि सऊदी शहर ताइफ में भी धमाकों की आवाजें सुनी गईं। सऊदी मीडिया के हवाले से आईआरएनए ने कहा कि इलाके में कम से कम दो जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को दावा किया कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध आगामी अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद 'तुरंत' खत्म हो जाएगा। ट्रंप ने तेहरान पर आरोप लगाया कि वह इस उम्मीद में संघर्ष को खींच रहा है कि वाशिंगटन में सत्ता परिवर्तन हो और उसे परमाणु हथियार हासिल करने का मौका मिल सके।

कब खत्म होगा युद्ध : टेक्सास के डलास में रिपब्लिकन मध्यावधि सम्मेलन के लिए रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि चुनाव के तुरंत बाद युद्ध खत्म हो जाएगा। ईरान के पास अब ज्यादा विकल्प नहीं बचे हैं। क्योंकि वे अब और नहीं टिक सकते। वे चुनाव को प्रभावित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, ताकि वहां लोगों का एक अच्छा, कमजोर समूह सत्ता में आ सके और हम उन्हें अकेला छोड़ दें और उन्हें अपना परमाणु हथियार हासिल करने दें। वे बस परमाणु हथियार चाहते हैं और अगर उनके पास परमाणु हथियार आ गया, तो पूरी दुनिया बड़ी मुसीबत में पड़ जाएगी।

बातचीत को लेकर ट्रंप ने दिया संकेत : जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्हें उम्मीद है कि ईरान के साथ राजनयिक बातचीत फिर से शुरू होगी या सैन्य अभियान दोबारा शुरू किया जाएगा, तो उन्होंने संकेत दिया कि वाशिंगटन फिलहाल बातचीत को लेकर जल्दबाज़ी में नहीं है। हालिया सैन्य अभियानों ने ईरानी सरकार को बुरी तरह कमजोर कर दिया है। किसी भी अंतिम कूटनीतिक समाधान का दायरा पारंपरिक परमाणु समझौतों तक सीमित नहीं होगा।

हूतियों को ईरान का प्रॉक्सी बताने पर बघाई का पलटवार : दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने गुरुवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के उन आरोपों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि यमन के हूती विद्रोही तेहरान के प्रॉक्सी यानी प्रतिनिधि के तौर पर काम करते हैं। बघाई ने कहा कि हूती समूह स्वतंत्र रूप से काम करता है और किसी से आदेश नहीं लेता। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने अमेरिका पर अपनी सैन्य मौजूदगी और वर्चस्ववादी नीतियों के जरिए क्षेत्र में अस्थिरता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि यमन में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए बाहरी दखलंदाजी को खत्म करना जरूरी है। बघाई ने कहा,'मार्को रुबियो के झूठ तथ्यों की जगह नहीं ले सकते। अंसारुल्लाह यमन का एक स्वतंत्र गुट है, जो अपने फैसले खुद लेता है।

'पुतिन समझौते के लिए तैयार': ट्रंप ने बता दिया कौन डाल रहा अड़ंगा; क्या खत्म होने वाला है रूस-यूक्रेन युद्ध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ फोन पर हुई बातचीत को 'बहुत अच्छी' बताया है। ट्रंप का दावा है कि पुतिन यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए समझौता करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की भी डील के लिए तैयार हैं तो यह अच्छी बात होगी। ट्रंप ने युद्ध की बातचीत में अड़चन के तौर पर पुतिन और जेलेंस्की के बीच दुश्मनी को बताया है।

ट्रंप ने अड़चन के लिए किसे बताया जिम्मेदार : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'अड़चन दो लोग हैं, जो एक-दूसरे से नफरत करते हैं।' उनका इशारा पुतिन और जेलेंस्की की ओर था। डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका रूस और यूक्रेन के बीच बातचीत फिर शुरू कराने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, ताजा रिपोर्टों के मुताबिक अभी दोनों पक्षों के बीच किसी अंतिम समझौते पर सहमति नहीं बनी है।

अमेरिकी दूत मॉस्को और कीव पहुंचे, फिर भी क्यों नहीं बनी बात : हाल ही में ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और उनके दामाद जेरेड कुशनर ने पहले मॉस्को में पुतिन से मुलाकात की और उसके बाद कीव जाकर जेलेंस्की से बातचीत की। मकसद शांति वार्ता को दोबारा पटरी पर लाना था। दोनों मुलाकातों को सकारात्मक और रचनात्मक बताया गया, लेकिन कोई ठोस सफलता सामने नहीं आई।

सबसे बड़ी अड़चन क्या : रूस और यूक्रेन के बीच सबसे बड़े विवादों में से एक यूक्रेन के उन इलाकों का भविष्य है, जिन पर रूस का कब्जा है। रूस डोनेट्स्क के बचे हुए हिस्से समेत क्षेत्रीय मांगों पर अड़ा हुआ है, जबकि जेलेंस्की मौजूदा यूक्रेनी नियंत्रण वाले इलाकों को रूस को सौंपने के खिलाफ हैं। यही वजह है कि बातचीत फिर शुरू करने की कोशिशों के बावजूद समझौते का रास्ता आसान नहीं दिख रहा। कूटनीतिक कोशिशों के साथ जमीन पर लड़ाई और हवाई हमले भी जारी हैं। हालिया रूसी

हमलों में कीव समेत यूक्रेन के कई इलाकों को निशाना बनाया गया है। दूसरी ओर यूक्रेन भी रूस के भीतर लंबी दूरी के ड्रोन हमले कर रहा है। यानी बातचीत की मेज पर शांति की कोशिश चल रही है, लेकिन मोर्चे पर युद्ध अभी थमा नहीं है।

क्या जल्द युद्ध खत्म होने की उम्मीद है : अभी इसे लेकर कोई पक्की समयसीमा नहीं है। अमेरिका बातचीत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है और रूस ने भी वार्ता फिर शुरू करने की इच्छा जताई है, लेकिन दोनों पक्षों की मांगों में बड़ा अंतर बना हुआ है। इसलिए ट्रंप का 'डील' वाला दावा महत्वपूर्ण जरूर है, लेकिन इसे अभी शांति समझौता हो जाने के तौर पर नहीं देखा जा सकता।

ईरानी टैंकरों पर हमलों को लेकर क्या बोले ट्रंप : दूसरी ओर, ईरान से जुड़े टैंकरों पर हमलों को लेकर भी ट्रंप ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान के नौ जहाजों को निशाना बनाया है। ट्रंप ने साफ कहा कि ये हमले अमेरिका की ओर से किए गए हैं और आने वाले समय में ऐसे और हमले देखने को मिल सकते हैं। उन्होंने कहा कि परमाणु मुद्दा बातचीत का हिस्सा जरूर होगा, लेकिन इसके अलावा भी कई दूसरे मुद्दे मेज पर होंगे। ट्रंप के मुताबिक, इनमें से कुछ बातें ऐसी हैं जो तीन महीने पहले बातचीत की मेज पर नहीं थीं। ट्रंप ने कहा, 'मैं सिर्फ परमाणु समझौते से कहीं ज्यादा कर रहा हूं। परमाणु मुद्दे से बहुत कुछ ज्यादा है। परमाणु समझौता होगा, यह 99.9 है, लेकिन मेज पर कई दूसरी चीजें भी होंगी, जो तीन महीने पहले मेज पर नहीं थीं।'

सुप्रीम लीडर के बारे में ट्रंप ने क्या कहा : डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा कि अगर मैंने जेसीपीओए (जॉइंट कॉम्प्रिहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन) को रद्द नहीं किया होता और अगर हमने अपने शानदार बी2 बॉम्बर्स से ईरान पर हमला नहीं किया होता, तो आज उनके पास परमाणु हथियार होता और मैं सुप्रीम लीडर से ऐसे बात कर रहा होता - 'मिस्टर सुप्रीम लीडर सर, आप कैसे हैं' अब मुझे ऐसा नहीं करना है। हम ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दे सकते।

चुनाव और युद्ध को लेकर ट्रंप का क्या दावा : डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि चुनाव के तुरंत बाद युद्ध खत्म हो जाएगा। वे चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश में बेताब हैं, ताकि वहां अच्छे और कमजोर लोगों का समूह आ जाए और उन्हें अकेला छोड़ दे और उन्हें अपना परमाणु हथियार रखने दिया जाए।

बांग्लादेश के खिलाफ शांत रहते हुए पारी को बढ़ाने की कोशिश की: शेफाली वर्मा

दुबई, एजेंस। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को हुए सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम की जीत में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा की 64 रनों की विस्फोटक पारी की अहम भूमिका रही। शेफाली को उनकी बेहतरीन पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वर्मा ने कहा कि उन्होंने गुरुवार को यहां महिला एशिया कप सेमीफाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ मैच जिताने वाली 64 रन की पारी के दौरान मुश्किल बैटिंग पिच के हिसाब से खुद को ढालते हुए शांत रहने और टीम के लिए योगदान देने पर ध्यान दिया। शेफाली ने बीसीसीआई विमेन द्वारा जारी एक वीडियो में कहा, 'एक सलामी बल्लेबाज के तौर पर मैं कभी-कभी बड़े शॉट लगाती हूं और कभी-कभी बस शांत रहने और सिंगल लेने की कोशिश करती हूं, क्योंकि स्मृति भी साथ होती हैं। कभी-कभी, मैं बस टीम के लिए वहां रहने और पारी को आगे बढ़ाने की कोशिश करती हूं।' सीनियर खिलाड़ी और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने शेफाली वर्मा की तारीफ करते हुए कहा, 'गेंद उनके पास वैसी नहीं आ रही थी जैसी वह चाहती थीं। पिछले मैच से अलग चुनौती थी, पिच भी मुश्किल थी, लेकिन उन्होंने खुद को शांत रखा और अपने शॉट्स पर भरोसा किया। यह देखना अच्छा था, और उनके शॉट्स को देखकर लगा कि उनकी मानसिकता स्पष्ट नजर आई। उन्हें पता था कि क्या करना है, और ये छोटी-छोटी चीजें उनकी मदद कर रही थीं।' दीप्ति ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मुझे 2-3 या 4 बॉल खेलने को मिलीं, और मैं बस जल्द से जल्द ऐसी छोटी पारी खेलने का इंतज़ार कर रही थी। मैं बहुत खुश हूं कि मैं आखिरी कुछ गेंदों पर योगदान दे पाई। एक ऑल-राउंडर के तौर पर खेल के अलग-अलग विभाग में योगदान करना अहम है। जब आप तीनों डिपार्टमेंट्स में अपना बेस्ट करने जाते हैं, तो ज़ाहिर है आप एक कदम आगे होते हैं, चाहे वह बैटिंग हो, बॉलिंग हो या फील्डिंग।'

बायर्न ने चैंपियंस लीग के पहले मैच में बोडो/ग्लिम्ट को 5-0 से हराया

बर्लिन। जमाल मुसियाला ने बायर्न म्यूनिख की शुरुआती लाइनअप में वापसी करते हुए पहला गोल किया। इसकी मदद से जर्मन टीम ने यूईएफए चैंपियंस लीग में बोडो/ग्लिम्ट को 5-0 से हरा दिया। बायर्न ने शुरू से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन शुरुआत में मेहमान टीम की पांच लोगों की डिफेंसिव लाइन को तोड़ने में संघर्ष किया। लुइस डियाज को पांच मिनट बाद पहला हाफ में मौका मिला, जोशुआ किमिच के क्रॉस पर उन्होंने पास से हेडर मारा, लेकिन गोलकीपर निकिता हाइकिन ने उसे बचा लिया। किमिच का 22 मीटर का शॉट 33वें मिनट में पोस्ट के बाहर लगा, इससे पहले हाइकिन ने पहले हाफ के आखिर में मुसियाला और फिर किमिच को रोका। हाइकिन, जिन्हें बाद में सेव करते समय कमर में दिक्कत हुई, उनकी जगह हाफटाइम में जूलियन फे लुंड ने ले ली, और बायर्न को रीस्टार्ट के बाद सिर्फ दो मिनट में ही बढ़त मिल गई। हैरी केन को रोकने की कोशिश में व ब्लॉक हो गई, लेकिन मुसियाला ने लूज बॉल को पकड़ा और अपना शॉट बाएं कोने में मार दिया। केन ने 61वें मिनट में माइकल ओलिस की फ्री-किक डिलीवरी पर फे लुंड के पास से हेडर मारकर बढ़त दोगुनी कर दी। अल्फांसो डेविस ने 77वें मिनट में 17-मीटर का

स्ट्राइक करके मैच को आसानी से खत्म कर दिया, जिसके छह मिनट बाद ओलिस ने लेनार्ट कार्ल के पास पर बायर्न के लिए चौथा गोल किया। बोडो/ग्लिम्ट का काम तब और मुश्किल हो गया जब 87वें मिनट में ओडिन ब्योर्टुफ्ट को पेनल्टी एरिया के पास ओलिस को गिराने के लिए रेड कार्ड दिखाया गया। ओलिस ने फिर स्टॉपेज टाइम में अपना डबल पूरा किया और विंसेंट कोम्पनी की टीम के लिए दूसरे हाफ में पांच गोल किए। जीत के बाद केन ने कहा, 'हम पहले हाफ में काफी बेहतर थे। हमें बस दरवाजा खुलने तक सब्र रखना था। दूसरे हाफ की शुरुआत में किए गए गोल ने गेम को आगे बढ़ाया और हम और मजबूत हुए।'

सबालेंका, रायबाकिना के खिलाफ नंबर 1 की चुनौती के लिए तैयार हैं

न्यूयॉर्क, एजेंसी। ऐलेना रायबाकिना से विश्व नंबर 1 रैंकिंग गंवाने पर आर्यना सबलेंका ने आखिरकार खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने स्वीकार किया कि यूएस ओपन में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद शीर्ष स्थान से हाथ फिसलते देखना थोड़ा अजीब लग रहा था। हालांकि, रायबाकिना के खिलाफ होने वाले रोमांचक फाइनल से पहले बेलारूसी खिलाड़ी इस हार पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहतीं। क्वार्टर फाइनल में किनवेन झेंग को 3-6, 6-1, 6-4 से हराकर रायबाकिना ने नंबर 1 रैंकिंग हासिल कर ली । इस जीत के साथ ही कजाख खिलाड़ी ने सबालेंका को पछाड़कर शीर्ष स्थान प्राप्त कर लिया और बेलारूसी खिलाड़ी के 99 सप्ताह के वर्चस्व को समाप्त कर दिया। इसके बाद रायबाकिना ने सेमीफाइनल में कोको गॉफ को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को 7-5, 6-2 से हराने के बाद अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए , सबलेंका ने स्वीकार किया कि रायबाकिना ने सीजन के मध्य में अपने प्रदर्शन में आई गिरावट के बावजूद शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए पर्याप्त प्रदर्शन किया है। 'मैं अच्छी तरह समझती हूं कि विश्व नंबर 1 बनना कितना मुश्किल है। यह मेरा एक लक्ष्य था। लेकिन अभी मैं कुछ खास नहीं कर सकती। सीजन के मध्य में मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। एलेना ने कमान संभाली और बहुत अच्छा खेला,' सबलेंका ने कहा। 28 वर्षीय खिलाड़ी अब लगातार चौथी बार यूएस ओपन के फाइनल में पहुंच चुकी हैं, जिससे उन्हें रैंकिंग में गिरावट के बावजूद टूर्नामेंट को एक और ग्रैंड स्लैम खिताब के साथ समाप्त करने का मौका मिल गया है। 'मैं सिर्फ खुद पर ध्यान केंद्रित कर सकती हूं और वर्तमान क्षण में रहकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर सकती हूं। बस इसे बरकरार रखना है और शायद मैं उससे यह खिताब वापस ले लूं,' उसने आगे कहा।

फाइनल में रायबाकिना का सामना होगा

फाइनल में पहुंचकर सबलेंका को शीर्ष स्थान से हटकर अपनी जगह बनाने वाली खिलाड़ी के खिलाफ खुद को परखने का सीधा मौका मिलेगा। रायबाकिना अपना पहला यूएस ओपन खिताब जीतने की कोशिश में हैं, जबकि सबलेंका न्यूयॉर्क में लगातार तीसरी चैंपियनशिप जीतने का प्रयास कर रही हैं। सबलेंका को पता है कि आगे क्या चुनौती है। रायबाकिना ने अपनी शानदार सर्विस और आक्रामक बेसलाइन गेम के दम पर पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया है, वहीं गौफ के खिलाफ उनकी वापसी ने यह साबित कर दिया कि जब मैच कड़े हो जाते हैं तो वह दबाव को भी झेल सकती हैं। हालांकि, सबलेंका के लिए स्थिति स्पष्ट है। रैंकिंग में फिर से बदलाव हो सकता है, और वह जानती है कि खुद को फिर से मुकाबले में लाने के लिए उसे क्या करना होगा। उन्होंने कहा, 'हर कोई एक-दूसरे का पीछा कर रहा है। यह सब छोटी-छोटी चीजों में सुधार करने और बेहतर बनने के बारे में है।' शनिवार को, यूएस ओपन ट्रॉफी की दौड़ में नई विश्व नंबर 1 और उनकी पूर्ववर्ती खिलाड़ी सबसे बड़े मंच पर आमने-सामने होंगी।

सबालेंका ने नंबर 1 बदलाव को स्वीकार किया

रैंकिंग में बदलाव के समय ने स्थिति को विशेष रूप से असामान्य बना दिया है। सबालेंका एक बार फिर न्यूयॉर्क में बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक रही हैं और फाइनल में अपने खिताब का बचाव करेंगी, फिर भी रायबाकिना के शानदार प्रदर्शन ने उनसे शीर्ष रैंकिंग छीन ली। सबलेंका ने स्वीकार किया कि उन्हें इस बात को स्वीकारना मुश्किल लगा, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि यह अंततः टेनिस की प्रतिस्पर्धी प्रकृति का ही एक हिस्सा है। 'यह थोड़ा अजीब लगता है कि आप टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करें और फिर भी आपसे नंबर 1 स्थान छीन लिया जाए। कोई बात नहीं। यही तो खेल है। मुझे यह पसंद है। यही तो खेल की खूबसूरती है,' उन्होंने कहा। न्यूयॉर्क पहुंचने से पहले ही रायबाकिना रैंकिंग में अंतर कम कर रही थीं और फाइनल में पहुंचकर उन्होंने निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। गौफ पर उनकी जीत का मतलब है कि वह शनिवार को होने वाले फाइनल में विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी के रूप में उतरेंगी।

नवांग त्सेरिंग ने जीता 'लद्दाख मैराथन'

- 122 किलोमीटर की दूरी रिकॉर्ड समय में पूरा किया

लद्दाख, एजेंस। अपनी प्रतिभा को पहचानकर कोई भी अगर उस पर कड़ी मेहनत करता है और निखारने की लगातार कोशिश करता है, तो एक न एक दिन उसे बड़ी सफलता जरूर मिलती है। नवांग त्सेरिंग की कहानी कुछ ऐसी ही है। नवांग ने लद्दाख मैराथन जीतकर रिकॉर्ड बनाया है। नवांग त्सेरिंग ने लद्दाख मैराथन में 122 किलोमीटर सिल्क रूट अल्ट्रा (एसआरयू) की दूरी को 12 घंटे, 12 मिनट और 18 सेंकड (12:12:18) में पूरा कर रिकॉर्ड बनाते हुए पहला स्थान हासिल किया है। त्सेरिंग का यह पहला प्रयास था और पहले ही प्रयास में वह चैंपियन बनकर निकले हैं। लद्दाख मैराथन जीतने के बाद आईएएनएस से खास बातचीत में नवांग ने कहा, 'मैंने लद्दाख मैराथन सिल्क रुट अल्ट्रा (एसआरयू) में पहली बार हिस्सा लिया था और पहले प्रयास में ही पहला स्थान हासिल किया है। यह काफी मुश्किल और चुनौतीपूर्ण था। मेरी मांसपेशिया काफी सख्त हो गई थीं। प्रतिस्पर्धा काफी कड़ी थी। इस साल मैंने (12:12:18) रिकॉर्ड बना दिया है।' नवांग ने अपनी सफलता का श्रेय अपने सभी कोचों, सहयोगियों और प्रशासन को दिया। मैराथन में आने से जुड़े सवाल पर नवांग ने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैं अपने दोस्तों को देखकर मैराथन में आया हूं। मैं उन लोगों को देखता था। वे दूसरे राज्यों में जाते थे। वही, देखकर मैंने मैराथन में आने का फैसला किया।' युवाओं को संदेश देते हुए नवांग ने कहा, 'मैं युवाओं से यह कहना चाहता हूं कि आप सभी अपनी प्रतिभा को बर्बाद मत कीजिए। अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करिए। मैं यह नहीं कह रहा कि सभी दौड़ में ही आगे आएं। सभी के पास एक खास प्रतिभा होती है। आप उस प्रतिभा को निखारिए और उसमें आगे बढ़िए।' नवांग की सफलता निश्चित रूप से उन युवाओं के लिए प्रेरणा है जो अभावों के बीच बड़ी उपलब्धि हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

कुलदीप यादव ने 10 विकेट लेकर इंग्लैंड में काटा गदर

टीम को दिलाई जीत

यॉर्कशर ने एसेक्स को पारी और 106 रनों से मात दी। इस मैच में कुलदीप ने कुल 10 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने पहली पारी में चार विकेट लिए तो वहीं दूसरी पारी में छह विकेट अपने नाम किए। रन खर्च करने के मामले में भी कुलदीप कंजूस ही रहे। उन्होंने पहली पारी में 70 रन खर्च किए और दूसरी पारी में 50 रन। यहां तक की कुलदीप ने अपने बल्ले से भी टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम में लगातार नजरअंदाज किए जाने वाले चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव इस समय इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं। कुलदीप ने यॉर्कशर की जर्सी पहनी है और अपनी फिरकी पर अंग्रेज बल्लेबाजों को जमकर नचाया है। उन्होंने एसेक्स के खिलाफ खेले गए मैच में 10 विकेट लेकर अपनी काबिलियत को फिर सिद्ध किया है और टीम इंडिया के मैनेजमेंट को एक कड़ा संदेश भी दिया है। कुलदीप को टी20, वनडे और टेस्ट में नियमित मौके नहीं मिल रहे हैं। गौतम गंभीर ने जब से टीम इंडिया के कोच का पद संभाला है तब से कुलदीप को नियमित रूप से प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिली है, लेकिन इंग्लैंड में इस गेंदबाज ने जो किया है उसने गंभीर को भी सोचने को मजबूर कर दिया होगा।

क्या बदलेगा प्लान?

कुलदीप के इस प्रदर्शन के बाद सवाल ये है कि क्या टीम मैनेजमेंट उन्हें लेकर अपने प्लान में बदलाव करेगा? हाल ही में श्रीलंका दौरे पर कुलदीप को नजरअंदाज किया गया था। स्पिनरों की मददगार पिचों पर कुलदीप को नजरअंदाज करना भारत को भारी पड़ सकता है। वह अपनी फिरकी से इंग्लैंड में बल्लेबाजों के लिए काल बन चुके हैं तो उपमहाद्वीप में तो वह और ज्यादा खतरनाक साबित हो सकते हैं।

टेस्ट जर्सी के लिए अर्शदीप झोंक रहे हैं पूरी ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत की टी20 टीम के अहम सदस्य अर्शदीप सिंक का सपना भी हर क्रिकेटर की तरह टेस्ट क्रिकेट खेलना है ।वह चाहते हैं कि लाल गेंद से भी अपनी स्विंग का कमाल दिखाएं ।अभी तक वह सीमित ओवरों में ही चमके हैं और टेस्ट गेंदबाज के तौर पर भी अपनी पहचान बनाना चाहते हैं ।इसलिए वह फर्स्ट क्लास क्रिकेट को नजरअंदाज नहीं करते है ।उनको पता है कि टेस्ट खेलने के सपने को पूरा करने की राह में प्रथम श्रेणी क्रिकेट अधिक नहीं खेलने को आदर्श तैयारी नहीं माना जा सकता, लेकिन उनका कहना है कि यह पारंपरिक प्रारूप के लिए उनकी तैयारी में कमी को नहीं दर्शाता है ।

क्षमता पर है यकीन

दलीप ट्रॉफी के बाद शेर ए पंजाब टीम लुधियाना लॉयंस से जुड़े अर्शदीप ने कहा कि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लंबा अंतराल तैयारी के लिए आदर्श नहीं है, लेकिन मैं उन्हीं चीजों पर फोकस कर सकता हूं जिससे मौका मिलने पर तैयार रह सकूं। टेस्ट क्रिकेट खेलना सम्मान की बात है और मुझे इसका इंतजार है। मुझे अपनी क्षमता पर यकीन है कि मैं भारत के लिये योगदान दे सकता हूं ।

हर कोशिश जारी

सीमित ओवरों के प्रारूप में भारत के शीर्ष गेंदबाजों में से एक अर्शदीप ने दिसंबर 2019 में पदार्पण के बाद से सिर्फ 24 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। दलीप ट्रॉफी के दो मैच खेलने से पहले उन्होंने एक साल तक कोई प्रथम श्रेणी मैच नहीं खेला था। अर्शदीप ने समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा कि मैं टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए अपनी ओर से हरसंभव प्रयास कर रहा हूं।

एशियन गेम्स स्क्वॉड से अन्नू रानी बाहर

क्वालिफिकेशन मार्क नहीं छू पाईं, चोट से लौटे अविनाश साबले ने स्टीपलचेज में जगह पक्की की

नई दिल्ली, एजेंसी। हांगझोउ एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट अन्नू रानी जापान एशियन गेम्स के भारतीय स्क्वॉड से बाहर हो गई हैं। वे महिलाओं की जैवलिन थ्रो में क्वालिफिकेशन मार्क हासिल नहीं कर सकीं। अन्नू ने गुरुवार को छ्स्ह्र स्टेडियम में इंडियन एथलेटिक्स फाइनल सीरीज में 57.50 मीटर का थ्रो किया। वह 57.62 मीटर के क्वालिफिकेशन मार्क से 12 सेंटीमीटर पीछे रह गईं।

अविनाश साबले की वापसी – इसी इवेंट में चोट से लौटे अविनाश साबले ने 3,000 मीटर स्टीपलचेज में गोल्ड जीता। उन्होंने 8:32.39 सेकेंड का समय निकालकर 8:36.57 सेकेंड का क्वालिफिकेशन मार्क हासिल किया। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने प्रतियोगिता से पहले खिलाड़ियों को साफ कर दिया था कि एशियन गेम्स में जाने के लिए क्वालिफिकेशन मार्क हासिल करना जरूरी है।ख्रद्ब प्लानिंग कमेटी के चेयरमैन ललित भनोत ने कहा, जिसने क्वालिफिकेशन मार्क हासिल नहीं किया है, उसे एशियन गेम्स में नहीं भेजा जाएगा।ख्रद्ब का रुख बिल्कुल साफ था। उन्होंने कहा, अगर अन्नू रानी क्वालिफाई नहीं कर पाई हैं, तो वे नहीं जाएंगी। जिन खिलाड़ियों ने मार्क हासिल नहीं किया है, वे दल का हिस्सा नहीं होंगे।

अविनाश 14 महीने तक चोट से बाहर रहे – 31 साल के अविनाश साबले 14 महीने तक चोट के कारण बाहर रहने के बाद अपनी 3,000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में लौटे। उन्होंने 8:32.39 सेकेंड के समय के साथ गोल्ड जीता। उनका समय 8:36.57 सेकेंड के एशियन गेम्स क्वालिफिकेशन मार्क से बेहतर रहा।

19 सितंबर से शुरू होगा इवेंट – एशियन गेम्स 2026 का 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान के आइची-नागोया में खेला जाएगा। यह एशियन गेम्स का 20वां संस्करण है। इसमें एशिया के 45 देशों के खिलाड़ी अलग-अलग खेलों में हिस्सा लेंगे। भारतीय दल भी एथलेटिक्स, शूटिंग, बॉक्सिंग, कुश्ती, बैडमिंटन, हॉकी, तीरंदाजी, कबड्डी और क्रिकेट समेत कई खेलों में चुनौती पेश करेगा।

असली आज़ादी

शनिवार, 12 सितंबर 2026, दमण।

मिर्जापुर द मूवी: सीरीज से कितनी अलग है फिल्म?

पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु और अली फजल की मच अवेटेड फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। जहां फिल्म में कुछ पुराने किरदारों की वापसी हुई है, वहीं कुछ ऐसे किरदार हैं, जो इस फिल्म में नए इंट्रोड्यूस हुए हैं।

इन किरदारों में कोई बदलाव नहीं

कालीन भैया– सीरीज की तरह मिर्जापुर द मूवी में पंकज त्रिपाठी ही कालीन भैया के किरदार में नजर आ रहे हैं।

गुड्डू भैया– अली फजल एक बार फिर फिल्म के जरिए गुड्डू भैया के किरदार में नजर आ रहे हैं।

मुन्ना भैया– 'मिर्जापुर द मूवी' में दिव्येंदु की वापसी हो रही है। इन्होंने सीरीज में भी काफी भौकाल मचाया था। इनकी एंट्री को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट है।

डिंपी, स्वीटी और गोलू– फिल्म में डिपी का किरदार हर्षिता गौर, स्वीटी का किरदार श्रिया पिलगांवकर और गोलू के किरदार में फिर से श्वेता त्रिपाठी नजर आती हैं।

बबलू पंडित– फिल्म में सबसे बड़ा बदलाव बबलू पंडित के किरदार में हुआ है। सीरीज में ये किरदार विक्रांत मैसी ने निभाया था, लेकिन फिल्म में जितेंद्र कुमार इस रोल को निभाते नजर आएंगे।

इन नए किरदारों की हुई एंट्री

बब्बन बबुआ– फिल्म में रवि किशन की एंट्री हुई है, जो बब्बन बबुआ के रोल में नजर आते हैं।

भैरव सिंह कर्णावत– इस नए किरदार में आपको सुशांत सिंह नजर आएंगे।

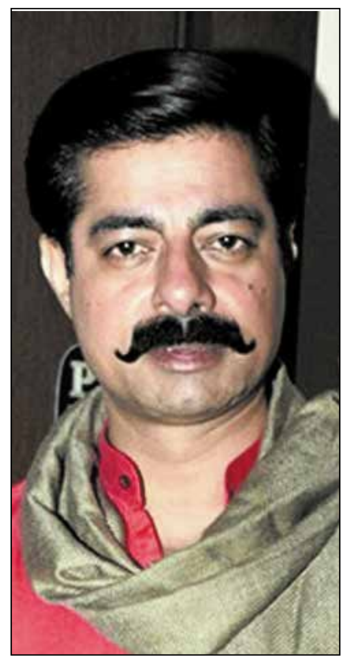

मुमताज बीबी – सोनल चौहान भी इस फिल्म में मुमताज बीबी के किरदार में नजर आएंगी, जो सीरीज में नहीं थीं।

बिरजू लोहार – बिरजू लोहार के रोल के साथ मोहित मलिक भी इस फिल्म के अहम किरदारों में नजर आएंगे।

ये किरदार हैं मिसिंग

ललित – सीरीज में मुन्ना भैया के साथ रहने वाला ललित इस फिल्म में नजर नहीं आएंगे, क्योंकि उनका दिसंबर 2021 में निधन हो गया था।

एसपी परशुराम– सीरीज में स्वीटी और गोलू के पापा का किरदार निभाने वाले शहनवाज प्रधान भी फिल्म का हिस्सा नहीं हैं।

त्यागी परिवार– चूंकि फिल्म पहले सीजन के कुछ हिस्सों पर बनी है, इस वजह से इसमें त्यागी परिवार का कोई सीन नहीं है।

माधुरी यादव– सीरीज में पॉलिटिशियन और मुन्ना भैया की पत्नी का किरदार निभाने वाली ईशा तलवार भी इस फिल्म में नहीं हैं।

अर्जुन बिजलानी ने काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर बात की

टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाले अभिनेता अर्जुन बिजलानी इन दिनों अपने काम को लेकर काफी व्यस्त हैं लेकिन वह काम के साथ–साथ अपने परिवार को भी अहमियत देते हैं। साथ ही, कोशिश करते हैं कि बिजी शेड्यूल के बीच अपनों के लिए समय निकाल सकें। उन्होंने अपने काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर बातचीत की। अर्जुन बिजलानी ने बात करते हुए काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने माना कि हर पेशे में कुछ न कुछ समझौते करने पड़ते हैं। कई बार काम की वजह से जिंदगी के कुछ निजी और खास पल छूट जाते हैं लेकिन अर्जुन इसे अपने पेशे का हिस्सा मानते हैं। उनका कहना है कि वह खुशकिस्मत हैं कि उन्हें वह काम करने का मौका मिल रहा है, जिसे वह दिल से पसंद करते हैं। ऐसे में उनके लिए सबसे जरूरी बात यह है कि काम के साथ परिवार के लिए भी समय निकाला जाए। आईएएनएस से अर्जुन बिजलानी ने कहा, ' 'मैं काम को लेकर अपनी जिम्मेदारी समझता हूं लेकिन परिवार की जरूरतों और भावनाओं को भी नजरअंदाज नहीं करता। बात सिर्फ सही संतुलन बनाने की है।' 'उन्होंने कहा, 'यह संतुलन बनाना मेरे लिए एक तरह की लगातार चलने वाली कोशिश है। शूटिंग और दूसरे कामों के बीच जब भी मुझे मौका मिलता है, मैं अपने परिवार के साथ समय बिताने की कोशिश करता हूं। मेरे लिए जरूरी नहीं कि त्योहार सिर्फ घर पर रहकर ही मनाया जाए बल्कि जहां मैं हूं, वहीं खुशियां बांटना भी मेरे लिए मायने रखता है।'

अर्जुन ने कहा, ' 'मेरे करियर में कई ऐसे मौके आए हैं, जब पेशेवर जिम्मेदारियों के कारण मैं परिवार के साथ महत्वपूर्ण मौकों पर उनके पास नहीं रह पाया। लगातार शूटिंग और काम की वजह से ऐसा होना मेरे लिए आसान नहीं रहा। हालांकि, वह अपने परिवार को लेकर काफी खुशकिस्मत महसूस करते हैं, क्योंकि उनके मुताबिक परिवार उनके काम की मजबूरियों को समझता है और हर समय उनका साथ देता है। अर्जुन ने कहा, ' 'मेरे करियर में कभी–कभी ऐसे मौके आए हैं, जब पेशेवर जिम्मेदारियों के चलते मुझे कुछ महत्वपूर्ण मौकों पर भी परिवार से दूर रहना पड़ा। हालांकि, मैं इस बात को लेकर खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मेरा परिवार मेरे काम को समझता है और हमेशा मेरा साथ देता है।

पिता सचिन पिलगांवकर की ट्रोलिंग पर श्रेया का करारा जवाब

दिग्गज अभिनेता और फिल्मकार सचिन पिलगांवकर पिछले छह दशक से ज्यादा समय से बॉलीवुड इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। पिछले कुछ समय से वह अपने इंटरव्यूज को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे है, जिसके बाद सपोर्ट में उनकी बेटी श्रेया पिलगांवकर उतरीं और कहा कि जो लोग उनको इंटरनेट पर ट्रोल कर रहे हैं, वही लोग जब सामने मिलते हैं तो तस्वीर खिंचवाने के लिए पहुंच जाते हैं। श्रेया ने खास बातचीत में कहा, ' 'लोगों को शायद इस बात का अंदाजा नहीं है कि मेरे पिता ने अपने लंबे करियर में कितना कुछ देखा और सीखा है। उनके पास फिल्मी दुनिया का 60 साल से ज्यादा का अनुभव है और इतने लंबे सफर में उन्होंने इंडस्ट्री के कई दौर अपनी आंखों से देखे हैं। इसलिए जब उनसे उनके जीवन या करियर को लेकर सवाल किया जाता है, तो वह अपने अनुभव साझा करते हैं और इसमें कुछ भी गलत नहीं है।''

श्रेया ने कहा, ' 'अगर सोचा जाए, किसी ऐसे व्यक्ति को बातचीत के लिए बुलाया जा रहा है, जिसने अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा फिल्म इंडस्ट्री में बिताया है, तो जाहिर है कि वह अपने अनुभवों के बारे में ही बात करेगा। मेरे पिता कई इंटरव्यूज में अपने करियर, जिंदगी और इंडस्ट्री से जुड़े अनुभवों को साझा करते रहे हैं। इसमें मेरा मानना है कि लोगों को उनकी बातों को इसी नजरिए से देखना चाहिए, न कि हर बात को विवाद बनाने की कोशिश करनी चाहिए।''

उन्होंने आगे कहा, ' 'मनोरंजन जगत में ऐसा अक्सर देखने को मिलता है कि जो लोग किसी कलाकार को इंटरनेट पर ट्रोल करते हैं, वही लोग जब उससे सामने मिलते हैं तो तस्वीर खिंचवाने के लिए पहुंच जाते हैं। यह शोबिज की एक अजीब सच्चाई है। इंटरनेट पर किसी के बारे में कुछ और राय दिखाई देती है, जबकि आमने–सामने मिलने पर लोगों का व्यवहार बिल्कुल अलग होता है।'' श्रेया ने कहा, ' 'मैं और मेरा परिवार इस फर्क को अच्छी तरह समझता है। जब हम असल जिंदगी में लोगों के बीच जाते हैं तो हमें ज्यादातर प्यार ही मिलता है। इसलिए सोशल मीडिया पर चलने वाली नकारात्मक चर्चाएं हमें उतनी वास्तविक नहीं लगतीं। मेरे लिए असल मायने उस व्यवहार के हैं, जो लोगों से आमने–सामने मिलने पर मिलता है।'' अभिनेत्री ने कहा, ' 'कुछ लोग सिर्फ ध्यान खींचने के लिए भी ऐसी बातें करते हैं। कुछ लोगों के लिए दूसरों की सफलता और खुशी देखना भी आसान नहीं होता। जब कोई व्यक्ति जिंदगी की परेशानियों में उलझा होता है, तो कई बार वह दूसरे की खुशी या सफलता को भी उसी नजर से देखने लगता है। ऐसी बातों में उलझने के बजाय लोगों को अपना ध्यान प्यार और अच्छी चीजों पर रखना चाहिए।'' श्रेया जल्द ही निर्देशक प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में अक्षय कुमार और सैफ अली खान मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार खलनायक की भूमिका में हैं। फिल्म में बोमन ईरानी और सैयामी खेर भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

जो हित में था, उसे अपनाया और जो नहीं था, उसे बहा दिया

जानी–मानी अभिनेत्री श्रुति हासन ने साउथ हो या बॉलिवुड दोनों इंडस्ट्री में संतुलन साधना सीखा है। आठ साल की उम्र से बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाली श्रुति का मानना है कि बीते सालों में सिनेमा ने उन्हें काफी मजबूत बनाया है। श्रुति उन अभिनेत्रियों में से हैं जो मुद्दों पर बात करने में पीछे नहीं रहतीं। वे कहती हैं, 'मैं हमेशा से उन बातों पर अपना टेक या विचार रखना पसंद करती हूं, जो मेरा अपना अनुभव हो या जिसे मैंने करीब से देखा हो। मैंने आज तक उन रैंडम टॉपिक, पॉलिटिकल या सोशल विषयों पर बात नहीं की, जिसकी मुझे जानकारी न हो। मैं अपने अनुभवों के आधार पर बात करना पसंद करती हूं।'

पिता कमल हासन की अभिनय की विरासत को आगे बढ़ाने वाली श्रुति साउथ के प्रभास, रजनीकांत, पवन कल्याण, विजय सरीखे सुपर स्टार्स के साथ काम कर चुकी हैं। हमने जब उनसे जानना चाहा कि आज दक्षिण के कलाकारों को पैन इंडिया स्टार कहा जा रहा है, बॉलिवुड और साउथ इंडस्ट्री की दूरी को पाटने की कोशिश लगातार जारी हैं, मगर क्या उन्हें लगता है कि वो अंतर अभी भी है, तो इस पर वे कहती हैं, 'असल में हमारे देश में अनगिनत अलग –अलग कल्चर और भाषाएं हैं।

श्रुति हासन ने कहा, 'हमारे देश के बारे में कहा जाता है कि विविधता में एकता है, मगर वो विविधता कभी घटती नहीं। आप अगर विकास में यकीन करेंगे, तो चाहे आप सिनेमा हों या मेडिसिन अथवा शिक्षा, विविधता को सकारात्मक रूप में लेंगे, मगर यदि आप संकीर्ण विचारधारा रखेंगे, तो यही डायवर्सिटी आपको नकारात्मक लगेगी। यह सोच और व्यक्ति दर व्यक्ति पर निर्भर करता है। मैं इसे पॉजिटिव तरीके से लेती हूं। इससे हमें नयी कहानियां मिलती हैं, नया नजरिया मिलता है। हर प्रदेश में एक विशिष्टता है।'

आज श्रुति का शुमार दक्षिण की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में शुमार है, मगर अपने करियर में उन्होंने भी मुश्किल वक्त देखा। वे कहती हैं, 'मैंने जब लक से अपने करियर की शुरुआत की, तब मेरे काम को दर्शकों ने नकार दिया था। लोगों ने मेरी काफी आलोचनाएं कीं। वह मेरे लिए सबसे बड़ा रिजेक्शन था, मगर मैंने उस आलोचना को कंस्ट्रक्टिव्ली लिया। मैंने आलोचनाओं को छननी की तरह लिया, जो मेरे हित में था, उसे अपनाया और जो नहीं था, उसे बहा दिया। मैंने लगातार अपनी गलतियों और कमियों से सीखा। मैंने कोशिश की कि किसी खांचे या फॉर्मूला में न अटकूं।'

जिंदगी से जुड़े विवादों की इतनी आदी हो चुकी हूं

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री आम्रपाली दुबे 'बिग बॉस 20' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि रियलिटी शो उनके स्टारडम को बढ़ाने से ज्यादा उनके द्वारा निभाए गए किरदारों के पीछे छिपे असली इंसान को दिखाने का मौका देगा। दरअसल, अभिनेत्री ने शो के अंदर जाने से पहले आईएएनएस के साथ बातचीत की। इसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने जीवन में एक ही बार विवादों का सामना किया है। अगर शो के कंटेस्टेंट इस पर कोई टिप्पणी करते हैं, तो उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि बिग बॉस मुझे अपने दर्शकों को अपना असली रूप दिखाने का मौका देगा, जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखा। मैंने हमेशा कुछ ऐसे रोल और किरदार निभाए हैं, जो लिखे हुए होते थे। इस बार सब कुछ असली होगा और यही वजह है कि 'बिग बॉस' है।'

9 साल से लापता बच्चे की तलाश में भटकेगी परिणीति

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा की वेब सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' रिलीज के लिए तैयार है। सोमवार को मेकर्स ने सीरीज का पहला लुक और रिलीज डेट की घोषणा की है। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर सीरीज का पोस्ट शेयर कर लिखा, 'शक की सुई चल पड़ी है, तारीख नजदीक आ रही है। सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' 24 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने जा रही है।' रिलीज डेट सामने आने के बाद फैंस और फिल्म से जुड़े कलाकार काफी उत्साहित नजर आए। अभिनेत्री जेनिफर विंगट समेत कई कलाकारों ने कमेंट सेक्शन पर उत्सुकता जाहिर की। परिणीति इसमें एक ऐसी मां के रोल में हैं, जो अपने खोए हुए बच्चे को ढूंढ रही है। इस सीरीज में सोनी राजदान, अनूप सोनी, जेनिफर विंगेट, हरलीन सेठी, ध्रुव चौधरी और सुमीत व्यास भी नजर आएंगे। इस मिस्ट्री थ्रिलर सीरीज को रेंसिल डी 'सिल्वा और सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने बनाया है और रेंसिल डी 'सिल्वा ने ही इसे डायरेक्ट किया है। शो में भरोसे और शक, दिल की सुनने और सच्चाई, प्यार और जुनून के बीच की बारीक लकीर को दिखाया गया है। यह प्रोजेक्ट परिणीति चोपड़ा का ओटीटी और वेब सीरीज की दुनिया में डेब्यू है। इसकी कहानी एक ऐसी मां के इर्द–गिर्द घूमती है जो अपने खोए हुए बच्चे की तलाश करती है और धीरे–धीरे अपनों के ही गहरे राजों और धोखों में उलझती चली जाती है।

डायरेक्टर और को–क्रिएटर रेंसिल डी 'सिल्वा ने 'शक: ट्रस्ट नो वन' को एक थ्रिलर है, जो अनिश्चितता पर बनी है। उन्होंने कहा, 'हर खुलासे के साथ एक नया सवाल खड़ा होता है और हर रिश्ते की एक और परत सामने आती है। मुझे सबसे ज्यादा इस बात ने अपनी ओर आकर्षित किया कि हम एक मां की इमोशनल जर्नी के जरिए एक सस्पेंस भरी कहानी को पर्दे पर ला रहे हैं, जो नौ साल से हार मानने को तैयार नहीं है। मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे नेटफ्लिक्स के साथ इस बोल्ड, इमोशनल और कई परतों वाली कहानी पर काम करने का मौका मिला।'

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने दमण में रामसेतु, नमो पथ सी-फ्रंट और नाइट मार्केट की ली मुलाकात, अद्भुत विकास देखकर हुए अभिभूत

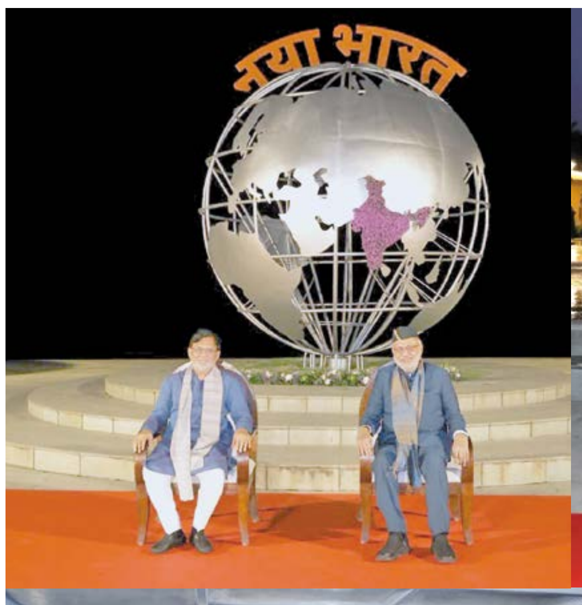

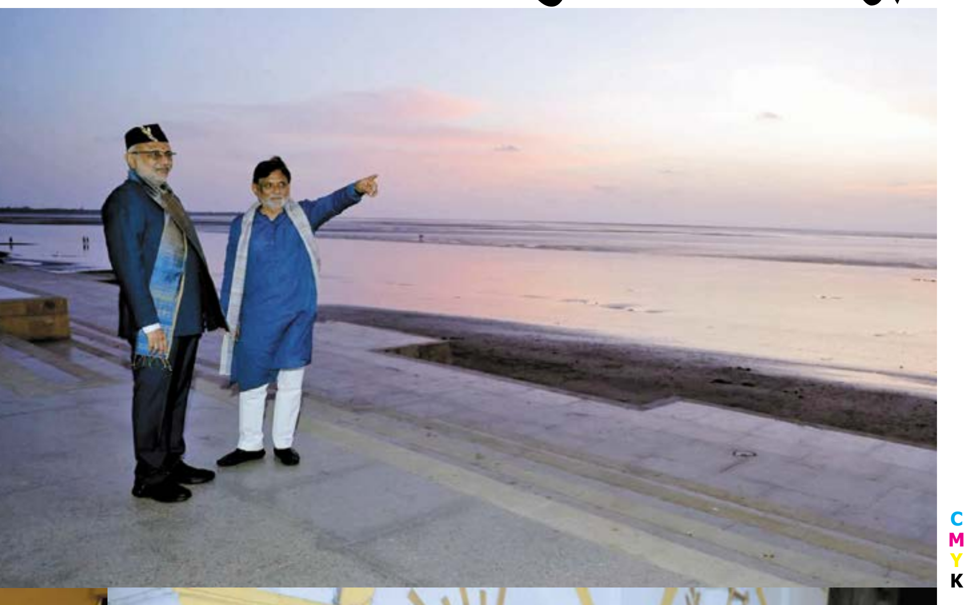

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 11 सितंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के 2 दिवसीय दौरे पर आये उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने 11 सितंबर को दमण केविभिन्न पर्यटन स्थलों की मुलाकात ली। उपराष्ट्रपति ने दमण के रामसेतु, नमो पथ सी-फ्रंट का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने प्रशासक प्रफुल पटेल के साथ देवका में नमो पथ पर बने नये भारत के पास समय व्यतीत किया। इस मौके पर उन्होंने समुद्र किनारे हुए अद्‌भुत विकास की जमकर सराहना की। इसके साथ ही उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने देर शाम दमण के नाइट मार्केट की विजिट की। इस दौरान उपराष्ट्रपति ने नाइट मार्केट का अवलोकन किया और दुकानदारों एवं ग्राहकों के साथ बातचीत भी की।

वैश्विक पटल पर गूंजा महाराष्ट्र का नाम: ब्रिटिश संसद में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का ऐतिहासिक स्वागत

लंदन/मुंबई, 11 सितंबर। ब्रिटेन की संसद (वेस्टमिंस्टर) में इस सप्ताह भारत और विशेष रूप से महाराष्ट्र के लिए एक बेहद गर्व का क्षण आज बना। महाराष्ट्र के लोकप्रिय उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे इन दिनों ब्रिटेन के आधिकारिक दौरे पर हैं। जहां ब्रिटिश संसद के भीतर उनका भव्य और ऐतिहासिक स्वागत किया गया है। लीसेस्टर ईस्ट से ब्रिटिश संसद सदस्य (एमपी) शिवानी राजा ने भारत के महाराष्ट्र से पहुँचे उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का संसद भवन में गर्मजोशी से स्वागत किया। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुँचे महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री के लिए ब्रिटिश संसद सदस्य शिवानी राजा ने इस पर खुशी जाहिर करते हुए सोशल मीडिया लिखा है कि, इस सप्ताह संसद में महाराष्ट्र के नेता एकनाथ शिंदे का स्वागत करना मेरे लिए बेहद शानदार रहा। वेस्टमिंस्टर के गलियारों में मुंबई की जीवंत ऊर्जा और मुंबई बज लाने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद! उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन की सांसद शिवानी राजा ने ब्रिटिश संसद में 'भगवद् गीता' पर हाथ रखकर शपथ ली थी और एकनाथ शिंदे की इस मुलाकात ने भारत-यूके के सांस्कृतिक और राजनीतिक संबंधों को एक नई ऊंचाई दी है।

दमण जिले में एसआईआर-2026 के बाद अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित, बचे 92,232 मतदाता

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 11 सितंबर। दमण जिले में विशेष सघन पुनरीक्षण 2026 की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन शुक्रवार, 11 सितंबर 2026 को कर दिया गया। अंतिम सूची के अनुसार दमण जिले में कुल 92,232 मतदाता दर्ज किए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार विशेष सघन पुनरीक्षण से पहले 4 जून 2026 तक दमण जिले में कुल 1,36,364 मतदाता दर्ज थे, जिनमें 68,996 पुरुष, 67,367 महिला और 1 थर्ड जेंडर मतदात शामिल थे। पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान कुल 1,36,364 गणना प्रपत्रों में से 95,144 प्रपत्र यानी लगभग 70 प्रतिशत वापस प्राप्त हुए, जबकि 41,220 प्रपत्र वापस नहीं मिले। इन मतदाताओं को अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं दोहराए गए मतदाताओं की श्रेणी में सूचीबद्ध किया गया। (समाचार का शेष पेज 3)

श्री दमण जिला सहकारी भंडार लिमिटेड ने बुजुर्गों के आशीर्वाद और बच्चों की स्नेहछाया में मनाया 63वां स्थापना दिवस, 64 वें वर्ष में मंगल प्रवेश

■ चेयरमैन हिरेन जोशी और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 6 दशकों के अटूट संबंधों और भरोसे के लिए सभी सभासदों, व्यापारिक सहयोगियों, मानद ग्राहकों एवं शुभचिंतकों का माना आभार ■ साझे प्रयासों से संस्था को निरंतर प्रगति पथ पर आगे बढ़ाते रहने का जताया विश्वास

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 11 सितंबर। दमण जिले की सबसे पुरानी एवं प्रतिष्ठित को-ऑपरेटिव सोसायटी श्री दमण जिला सहकारी भंडार लिमिटेड ने 09 सितंबर 2026 को अपनी स्थापना के 63 गौरवशाली वर्ष पूर्ण कर 64 वें वर्ष में मंगल प्रवेश किया है। 09 सितंबर 1963 को सहकारिता मिशन के तहत श्री दमण जिला सहकारी भंडार लिमिटेड की स्थापना हुई थी। नानी दमण के वाडी फलिया स्थित श्री दमण जिला सहकारी भंडार लिमिटेड के मुख्यालय सह सेल्स सेंटर में चेयरमैन हिरेन जोशी के साथ बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 09 सितंबर को संस्था के स्टाफ के साथ सोसायटी का 63वां फाउंडेशन-डे सेलिब्रेट किया। चेयरमैन हिरेन जोशी और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने श्री दमण जिला सहकारी भंडार लिमिटेड पर दशकों से अटूट भरोसा बनाए रखने हेतु सभी सभासदों, दूध बिक्री केन्द्रों, मानद ग्राहकों और शुभ चिंतकों का आभार माना। चेयरमैन हिरेन जोशी और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स का कहना था कि श्री दमण जिला सहकारी भंडार लिमिटेड' अपने सभासदों, व्यापारिक सहयोगियों, मानद ग्राहकों के प्रगाढ़ संबंधों और निरंतर बढ़ते भरोसे से उत्तरोत्तर प्रगति कर रही है। श्री दमण जिला सहकारी भंडार लिमिटेड का वार्षिक टर्नओवर 2016-17 में 30.71, 2017-18 में 34.20, 2018-19 में 34.36, 2019-20 में 35.49, 2020-21 में 34.66, 2021-22 में 38.62, 2022-23 में 43.36, 2023-24 में 47.53 और 2024-25 में 48.88 करोड़ रहा है। चेयरमैन हिरेन जोशी और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने संस्था के हितधारकों, ग्राहकों एवं शुभचिंतकों के परस्पर संबंधों को अधिक प्रगाढ़ और श्री दमण जिला सहकारी भंडार लिमिटेड की सेवाओं को ज्यादा प्रभावी बनाने का विश्वास जताया। श्री दमण जिला सहकारी भंडार लिमिटेड परिवार के साथ संस्था कार्यालय में फाउंडेशन-डे सेलिब्रेशन के बाद चेयरमैन हिरेन जोशी की अगुवाई में वाइस चेयरमैन ईश्वरलाल सोमला, सेक्रेटरी विष्णु बाबू, डायरेक्टर्स-खुशमन आर. ढ़ीमर, धनसुख चायवाला, मनीष बी.भट्ट, देवेन्द्र एस. धोंडे, सूर्यकांत भंडारी और को-ऑप डायरेक्टर्स-उमेश पाठक एवं कमलेश मोढ़ा ने अटक पारडी के आंगनवाड़ी में बच्चों को तथा मोटी दमण के ओल्ड एज-होम में बुजुर्गों को बढ़िया अमूल किट भेंट कर व उनके साथ समय बिता कर आशीर्वाद लेकर श्री दमण जिला सहकारी भंडार लिमिटेड के स्थापना दिवस की खुशियाँ बाँटीं।

इसके पूर्व चेयरमैन हिरेन जोशी और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 09 सितंबर को ही संस्था मुख्यालय सह सेल्स सेंटर में समस्त स्टाफ के साथ केक काट कर एवं सुरूचि भोजन कर संस्था का फाउंडेशन-डे सेलिब्रेट किया। ज्ञात हो कि हिरेन जोशी पिछले 3 वर्षों से श्री दमण जिला सहकारी भंडार लिमिटेड के चेयरमैन हैं। चेयरमैन हिरेन जोशी बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स और सभासदों के सहयोग से श्री दमण जिला सहकारी भंडार लिमिटेड को निरंतर लाभदाई और सुदृढ़ स्थिति में लेकर जाते हुए दिख रहे हैं।

दमण कोर्ट परिसर में 12 सितंबर को तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 11 सितंबर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण-दीव तथा एडवोकेट बार एसोसिएशन दमण के संयुक्त तत्वावधान में 12 सितंबर 2026 को तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत का आयोजन मोटी दमण स्थित कोर्ट परिसर में सुबह 9:30 बजे से होगा। इस लोक अदालत में लंबित एवं प्री-लिटिगेशन मामलों का आपसी सहमति और सुलह के आधार पर निपटारा किया जाएगा। इनमें बैंक रिकवरी, आपराधिक समझौता योग्य मामले, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, एमएसीटी, वैवाहिक विवाद, परक्राम्य लिखत अधिनियम एनआई एक्ट से संबंधित मामले तथा अन्य दीवानी मामलों को शामिल किया गया है। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से लोगों से अपील की गई है कि वे लोक अदालत के माध्यम से अपने विवादों का शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण समाधान प्राप्त करें। लोक अदालत का उद्देश्य पक्षकारों को सरल, सुलभ और कम समय में न्याय उपलब्ध कराना है। आयोजन को सफल बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं अधिवक्ताओं द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)